Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-11 01-15 जून, 2022 (पाक्षिक) ₹20

भाजपा को अगले 25 साल के लिए अपना एजेंडा तय करना चाहिए

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक, जयपुर

'भाजपा विकासवाद को राजनीति की मुख्यधारा में लाई'

पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता

मोदी सरकार के 8 साल— सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित

'भाजपा को जानें' अभियान

जयपुर (राजस्थान) में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक की अध्यक्षता करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

जयपुर (राजस्थान) आगमन पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का भव्य स्वागत करते राजस्थान भाजपा कार्यकर्तागण

हैदराबाद (तेलंगाना) में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

नामसाई (अरुणाचल प्रदेश) में 1,000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

वडोदरा (गुजरात) में 'युवा शिविर' को संबोधित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भाजपा को अगले 25 साल के लिए अपना एजेंडा तय करना चाहिए: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत भाजपा के सभी सदस्यों, संस्थापकों से लेकर मार्गदर्शकों और...

08 8 साल— सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित

हम, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पदाधिकारी, इस बात की हृदय तल से सराहना...

13 भाजपा सरकार ने विकास की नई कहानी लिखी है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 मई, 2022 को कुल्लू स्थित ढालपुर मैदान में आयोजित...

14 तेलंगाना में हमारी सरकार बनने पर अल्पसंख्यक आरक्षण खत्म करेंगे: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 14 मई, 2022 को हैदराबाद के बाहरी इलाके...

33 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और अंत्योदय भाजपा के वैचारिक आधार हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 मई, 2022 को...

वैचारिकी

संपूर्णता का विचार / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 22

श्रद्धांजलि

महान विचारक माधव सदाशिव राव गोलवलकर 24

लेख

राजनीति से परे / **शिवप्रकाश** 25

मोदी सरकार के आठ साल विश्वगुरु बनता भारत / **रघुवर दास** 27

ग्लोबल स्लो डाउन के बावजूद और देशों से भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है / **विकास आनन्द** 29

अन्य

पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता 10

'पंजाब की वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने की ताकत केवल और केवल भाजपा में है' 12

"संवेदना भी, संवाद भी" 16

'मैं भाजपा में हूं' के बजाय 'मैं भाजपा हूं' का विश्वास कार्यकर्ता के व्यक्तित्व में झलकना चाहिए 17

भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में 83.57 अरब अमेरिकी डॉलर का देश में रिकॉर्ड 31.451 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन होने का अनुमान 19

दो स्वदेशी फ्रंटलाइन युद्धपोतों— आईएनएस सूरत और आईएनएस उदयगिरी का जलावतरण 20

भारत और नेपाल के बीच छह समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर 21

'देश का सबसे बड़ा कैंसर सेंटर हरियाणा में स्थापित हुआ है' 30

'यदि हमारा बूथ मजबूत है तो चुनाव में कोई भी आयेगा तो उसे हराने में हम सफल होंगे' 31

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

ये भाजपा ही है, जिसने विकासवाद की राजनीति को देश की राजनीति की मुख्यधारा बना दिया है। लेकिन हम ये भी देख रहे हैं कि कुछ पार्टियां विकासवाद की इस राजनीति में विकृति लाने का भी प्रयास कर रही हैं। हमें इनसे भी देश के लोगों को लगातार सावधान करते रहना है।

जगत प्रकाश नड्डा

हमारी सरकार जवाबदेह सरकार है, काम करने वाली सरकार है, लोगों के आंसू पोंछनेवाली सरकार है, लोगों को राहत देनेवाली सरकार है। गांव, ग़रीब, दलित, वंचित, पीड़ित, शोषित, महिला, युवा और किसानों के लिए काम करनेवाली सरकार है।

अमित शाह

प्रधानमंत्री संग्रहालय स्वतंत्र भारत के इतिहास को चिरस्मरणीय बनाने का एक अद्भुत प्रयास है। यहां आकर आप इतिहास के कई गौरवमयी क्षणों की अनुभूति करने के साथ उन्हें और करीब से जान पाएंगे। मैं सभी देशवासियों से विशेषकर युवाओं से आग्रह करता हूं कि एक बार इस संग्रहालय में अवश्य आएं।

राजनाथ सिंह

एक समय था जब हमारे देश में स्टार्टअप्स की संख्या केवल 500 थी, पर आज स्टार्टअप्स की संख्या बढ़कर 60 हजार से भी अधिक हो गई है।

बी.एल. संतोष

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रशासन की पहचान उनकी व्यापक सोच और निर्णय है, जिसका सकारात्मक व्यापक प्रभाव पड़ता है। एक तरफ प्रधानमंत्री ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क घटाया, तो उज्ज्वला के तहत मिलने वाले 12 एलपीजी सिलेंडरों पर 200 रुपये तक की सब्सिडी दी।

नितिन गडकरी

बिहार में 3 लाख करोड़ रुपए के सड़कों के काम हो रहे हैं। इनमें 1 लाख करोड़ के ग्रीन एक्सप्रेस-वे हैं और 50 हजार करोड़ की लागत से 1800 किमी के रिंग रोड्स हैं।

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
गंगा दशहरा (09 जून)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

आम जन को राहत

मोदी सरकार द्वारा पेट्रोल एवं डीजल पर केंद्रीय उत्पाद कर में भारी कटौती का पूरे देश में स्वागत हुआ है। केंद्रीय उत्पाद कर में कटौती के साथ-साथ वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने नौ करोड़ उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए गैस सिलेंडर पर दो सौ रुपए की सब्सिडी की भी घोषणा की है। साथ ही प्लास्टिक उद्योग, लौह एवं इस्पात उद्योग के कच्चा माल पर सीमा शुल्क कम करने की भी घोषणा हुई है। ध्यान देने योग्य है कि अभी कुछ महीने पहले ही मोदी सरकार ने पेट्रोल एवं डीजल के दामों में कटौती कर आम जनता को भारी राहत दी थी। यह राहत ऐसे समय दी गई है जब पूरा विश्व कोविड-19 महामारी से उबरने के प्रयास में है, साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न कठिनाइयों का भी सामना कर रहा है। जब भी राष्ट्र के समक्ष कोई चुनौती आती है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दृढ़ निश्चयी नेतृत्व में केंद्र सरकार उन चुनौतियों का समाधान कर आम जन को भारी राहत देना अपना कर्तव्य समझती है। अब जबकि केंद्र की मोदी सरकार ने आम जन को भारी राहत दी है, विपक्ष शासित विभिन्न राज्य सरकारों को भी जनहित में ऐसे ही कदम शीघ्र उठाने चाहिए।

जब भी राष्ट्र के समक्ष कोई चुनौती आती है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दृढ़ निश्चयी नेतृत्व में केंद्र सरकार उन चुनौतियों का समाधान कर आम जन को भारी राहत देना अपना कर्तव्य समझती है

हाल ही में जयपुर में संपन्न भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आने वाले 25 वर्षों के 'अमृतकाल' में भाजपा कार्यकर्ताओं को बिना रुके कार्य करने का आह्वान किया है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि जनता के द्वारा निरंतर मिलते आशीर्वाद से ही हमें संतोष नहीं करना है, बल्कि कड़ी मेहनत कर जनाकांक्षाओं को पूर्ण करना भी है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी संगठन को और भी अधिक सुदृढ़ बनाने का आह्वान करते हुए कार्यकर्ताओं को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का मंत्र दिया।

आज जब भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल बन चुका है, इसने अपने अभिनव कार्य प्रणाली, जीवंत आंतरिक लोकतंत्र एवं समर्पित व अनुशासित कार्यकर्ताओं के बल पर अपनी एक अनूठी पहचान बनाई है। परिवार, जाति एवं क्षेत्र आधारित अन्य राजनैतिक दलों के ठीक विपरीत भाजपा राष्ट्रीय विषयों पर निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का एक अभिनव राजनैतिक संगठन है। यही कारण है कि यह आज जनता की पहली पसंद है जो कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में 'अंत्योदय' एवं 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांतों पर अटूट प्रतिबद्धता के कारण जनविश्वास प्राप्त करने में सफल हुई है। भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं का यह समर्पण कोविड-19 महामारी के विकट काल में देखा गया, जब 'सेवा ही संगठन' अभियान देशभर में सेवा के एक आंदोलन में परिणत हो गया।

मोदी सरकार के पिछले आठ वर्ष के कार्यकाल में देशभर में व्यापक परिवर्तन देखा जा सकता है। साथ ही, भारत अब विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। जहां भारत ने कोविड-19 वैश्विक महामारी का दृढ़तापूर्वक सामना किया, वहीं 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से चुनौतियों को अवसर में बदल दिया गया। पिछले आठ वर्षों में देशभर में बिजली, पेयजल, शौचालय, गैस सिलेंडर, बैंक खाता और मोबाइल फोन समाज के हर वर्ग की पहुंच में आ गए हैं जिससे लोगों के जीवनस्तर में भारी सुधार हुआ है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के बीच देश में अत्यधिक गरीबी में कमी मोदी सरकार के गरीब कल्याण कार्यक्रमों की उपलब्धियों का द्योतक है। उज्ज्वला, जनधन, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, गरीब कल्याण रोजगार योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन जैसी अनेक योजनाएं आज गरीब से गरीब के जीवन में व्यापक परिवर्तन ला रही हैं। इन योजनाओं से महिला, युवा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अन्य वंचित-पीड़ित एवं कमजोर वर्गों का सशक्तीकरण हुआ है। आज जब भारत के इस विकास को पूरा विश्व सराह रहा है, देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और हर दिन उपलब्धियों की नई गाथा लिख रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भाजपा को अगले 25 साल के लिए अपना एजेंडा तय करना चाहिए: नरेन्द्र मोदी

गत 20 मई, 2022 को जयपुर, राजस्थान में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भाजपा के केंद्रीय पदाधिकारियों के अलावा, प्रदेश इकाई के अध्यक्ष, प्रभारी, सह-प्रभारी, संगठन महामंत्री और मोर्चा अध्यक्ष उपस्थित थे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत भाजपा के सभी सदस्यों, संस्थापकों से लेकर मार्गदर्शकों और कार्यकर्ताओं तक पार्टी को मजबूत करने में दिए गए उनके योगदान की सराहना करते हुए की।

भाजपा बड़ा बदलाव लेकर आयी

श्री मोदी ने कहा कि देश में भाजपा द्वारा सफलतापूर्वक बड़ा बदलाव लाया गया है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति लंबी बीमारी से पीड़ित होता है, तो वह परिस्थितियों को स्वीकार करता है और भविष्य में सामान्य जीवन की आशा रखता है। इस देश की जनता दशकों से यही झेल रही है, उन्होंने कहा, "2014 के बाद भाजपा ने देश को इस मानसिकता से बाहर निकाला है। आज भारत के लोग आकांक्षाओं से भरे हुए हैं। वे सरकारों को काम करते देखना चाहते हैं और सरकारों से परिणाम चाहते हैं।

भाजपा पदाधिकारियों से बात करते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "चूंकि पार्टी की 18 राज्यों में सरकारें हैं, इसके 400 से अधिक सांसद और 1,300 विधायक हैं, तो कोई भी यह सोच सकता है कि यह पर्याप्त है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए... हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए क्योंकि हमारे संस्थापकों ने हमें लोगों के कल्याण के लिए निरंतर कड़ी मेहनत करना सिखाया है।"

पार्टी की 18 राज्यों में सरकारें हैं, इसके 400 से अधिक सांसद और 1,300 विधायक हैं, तो कोई भी यह सोच सकता है कि यह पर्याप्त है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए... हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए क्योंकि हमारे संस्थापकों ने हमें लोगों के कल्याण के लिए निरंतर कड़ी मेहनत करना सिखाया है

संतुष्ट न हों

पार्टी कार्यकर्ताओं को हालिया सफलताओं से संतुष्ट न होने का आह्वान करते हुए श्री मोदी ने सुझाव देते हुए कहा कि पार्टी को अगले 25 वर्षों के लिए अपना एजेंडा निर्धारित करना चाहिए। यह भाजपा के लिए अगले 25 वर्षों के लिए लक्ष्य निर्धारित करने का समय है, साथ ही सभी चुनौतियों के साथ-साथ भारत के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार हमें काम करना है।"

एनडीए सरकार के आठ साल

एनडीए सरकार के आठ साल पूरे होने पर बोलते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह आठ साल गरीबों की सेवा, सुशासन और कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आगे बताया कि कैसे आठ साल देश के छोटे किसानों और मध्यम वर्ग की उम्मीदों को पूरा करने वाले रहे हैं। उन्होंने कहा, "व्यवस्थाओं पर, सरकार के वितरण तंत्र पर जो भरोसा देश ने खोया था, भाजपा सरकार ने उसे वापस लाने का काम किया है।"

उन्होंने विपक्ष की संकीर्ण और स्वार्थी मानसिकता पर कहा, "ये राजनीतिक दल समाज की हर कमजोरी का अपने स्वार्थ के लिए प्रयोग कर रहे हैं, कभी जाति के नाम पर तो कभी क्षेत्रवाद के नाम पर लोगों को भड़का रहे हैं।" उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि ये दल राष्ट्र के विकास के हमारे मार्ग में विचलन और व्यवधान पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम देखते हैं कि कैसे आजकल कुछ पार्टियों का इकोसिस्टम देश को मुख्य मुद्दों से पूरी ताकत से भटकाने की कोशिश कर रहा है। हमें कभी भी ऐसी पार्टियों के झांसे में नहीं आना चाहिए।" ■

प्रधानमंत्री मोदीजी ने भाजपा को 'सेवा ही संगठन' का मंत्र दिया: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने संगठन को और मजबूत करने के लिए एक व्यापक खाका सभी के समक्ष प्रस्तुत किया और भाजपा कार्यकर्ताओं को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक ले जाने का आह्वान किया।

श्री नड्डा ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने वीरों की इस भूमि, जो हमेशा से शांति और समृद्धि की वकालत करते आये हैं, को अपने कुशासन से बदनाम किया है।

उन्होंने कहा, "भाजपा रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाना जारी रखेगी और यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी कि अगले चुनाव में कमल खिले।"

उन्होंने यह जोर देकर कहा कि लोगों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए पार्टी को कड़ी मेहनत करनी होगी।

बैठक में पार्टी ने तीन औपचारिक बयान जारी किए, जिसमें मोदी सरकार की आठ साल की उपलब्धियों, हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में जीत और राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार के कुशासन का विवरण दिया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व भाजपा को नयी ऊंचाइयों पर ले जा रहा है और कार्यकर्ता उनके दिखाए रास्ते पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा, "जब भी संगठनात्मक सलाह की आवश्यकता होती है, हमें हमेशा प्रधानमंत्री का नेतृत्व और उनका मार्गदर्शन मिलता है।"

"कोविड महामारी के दौरान सभी राजनीतिक दल अलगाव और लॉकडाउन में चले गए थे और उनके नेता केवल ट्विटर पर दिखाई देते थे। ऐसे समय में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमें 'सेवा ही संगठन' का मंत्र दिया। सेवा ही संगठन के मंत्र से प्रेरित होकर भाजपा का हर कार्यकर्ता उनके बताए रास्ते पर चला।''

उन्होंने आगे कहा कि बैठक में चार सत्र संपन्न होंगे, जो मोटे तौर पर दो पहलुओं पर केंद्रित रहेंगे — संगठन को मजबूत करना और केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पार्टी को नागरिकों के कल्याण के लिए एक 'कड़े प्रयास' करने होंगे।

सभी केंद्रीय मंत्री करेंगे सुदूर क्षेत्रों का प्रवास

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने बताया कि बैठक के दौरान पार्टी को मजबूत करने, विशेष रूप से कमजोर मतदान केंद्रों और लोकसभा क्षेत्रों में जहां ये बूथ स्थित हैं, उन क्षेत्रों का प्रवास करने पर विचार-विमर्श किया गया।

श्री नड्डा ने यह भी बताया कि पार्टी ने फैसला किया है कि सभी केंद्रीय मंत्री मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने पर लोगों से जुड़ने और उनकी प्रतिक्रिया लेने के लिए देश के दूर-दराज क्षेत्रों का प्रवास करेंगे। यह कार्यक्रम 30 मई से शुरू होकर 14 जून तक चलेगा। ■

8 साल– सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्ववाली केंद्र सरकार के आठ साल पूरे होने पर 20 मई, 2022 को जयपुर में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में जारी वक्तव्य का पूरा पाठ -

हम, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पदाधिकारी, इस बात की हृदय तल से सराहना करते हैं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व में, 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने की आकांक्षा को प्रभावी और सुनियोजित तरीके से पूरा किया गया है।

2014 में, भारत के लोगों ने श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और एनडीए में अपना विश्वास व्यक्त किया। 30 वर्षों के बाद भारत के लोगों ने किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत देकर अपना आशीर्वाद दिया। 2019 में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और भी बड़े जनादेश के साथ सरकार में लौटी और भाजपा की सीटों की संख्या 282 से बढ़कर 303 हो गई। किसी प्रधानमंत्री का अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद उन्हीं के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत वाली सरकार की वापसी होना करीब 6 दशकों के बाद हुआ है।

2014 में जब श्री नरेन्द्र मोदी ने पदभार ग्रहण किया, तो उन्हें पहले दिन से ही भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। 2014 का चुनावी जनादेश यूपीए सरकार के पॉलिसी पैरालिसिस, भ्रष्टाचार और जबरदस्त वंशवादी राजनीति के खिलाफ था। यूपीए के घोर कुशासन के कारण भारत के लोग लोकतंत्र और सरकारों के काम करने की क्षमता में विश्वास खो रहे थे। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मिले विशाल जनादेश ने हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों के विश्वास को फिर से जगाया है। इसने देशवासियों को भरोसा दिलाया है कि अगर एक निर्णायक, समावेशी और संवेदनशील नेतृत्व हो तो जनता की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सकता है।

135 करोड़ भारतीयों के सामर्थ्य और कौशल से संचालित और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र पर चलने वाली मोदी सरकार ने गरीबी दूर करने और देश को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से कई पहल की है। मोदी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' के मंत्र के अनुरूप काम कर रही है, जिसका अर्थ है समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करना।

श्री नरेन्द्र मोदी ने दिखाया है कि एक कुशल नेतृत्व क्या होता है। लाल किले की प्राचीर से उन्होंने स्वच्छता और शौचालय निर्माण जैसे विषयों पर बात की, जिसके बारे में पिछली सरकारें सोचती तक नहीं थीं। पूर्ण स्वच्छता कवरेज सुनिश्चित करके उन्होंने महात्मा गांधी के एक सपने को भी पूरा किया है। स्वच्छता के क्षेत्र में भारत की प्रगति के साथ कई अन्य सफलताएं भी प्राप्त हुईं, जैसे इससे गरीबी के खिलाफ लड़ाई मजबूत हुई, स्वास्थ्य मानकों में सुधार हुआ और इससे पर्यटन के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों में दृढ़ विश्वास दिखाते हुए

मध्यम वर्ग के कई लोगों ने अपनी एलपीजी सब्सिडी छोड़ दी और वरिष्ठ नागरिकों ने अपनी रेलवे रियायतें छोड़ दीं, ताकि ये लाभ गरीबों को मिल सकें। कई दशकों तक भारत पर शासन करने वालों के भ्रष्टाचार के कारण ऐसी संस्कृति पहले देखी नहीं गई थी।

गरीबों को आश्रित बनाए रखने के बजाए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एक ऐसी संस्कृति लाए हैं जो आत्मनिर्भरता, गरिमा और उद्यमिता को बढ़ावा देती है। इसे 'मेक इन इंडिया' की सफलता,'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की प्रगति, नीतिगत सुधारों और पीएलआई योजनाओं की सफलता में देखा जा सकता है। स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में भारत की सफलता दर्शाती है कि कैसे भारत के युवाओं ने इस क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। ये दर्शाता है कि सही मार्गदर्शन में हमारे युवाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान केवल सरकारी नीतियों तक ही सीमित नहीं है। यह 135 करोड़ भारतीयों की सामूहिक भावना को दर्शाता है जो भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनता हुआ देखना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने महिला सशक्तीकरण के एक नए युग की शुरुआत की है। उज्ज्वला जैसी योजना, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे जन आंदोलन और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर गरीबों को आवास प्रदान करने के प्रगतिशील फैसलों ने महिलाओं को सही मायने में सशक्त बनाया है।

कुल भारतीयों में से लगभग 2/3 कृषि पर निर्भर हैं, लेकिन जिन लोगों ने दशकों तक देश पर शासन किया, उन्होंने केवल कुछ बड़े किसानों पर ही ध्यान केंद्रित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ही हैं जो छोटे किसानों के तारणहार बनकर उभरे हैं। पीएम-किसान योजना ने किसानों के वित्तीय बोझ को कम किया है,जबकि सिंचाई में सुधार और नीम-कोटिड यूरिया उपलब्ध कराने के प्रयासों से किसानों को काफी मदद मिली है। मृदा स्वास्थ्य में सुधार के पीएम के दृष्टिकोण का कृषि-उत्पादकता पर सीधा प्रभाव पड़ा है। मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) देने जैसे निर्णयों के मात्स्यिकी क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम मिले हैं।

इतिहास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दया और करुणा के प्रतीक के रूप में याद रखेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि आयुष्मान भारत पीएम-जय के कारण लाखों भारतीयों को उच्च गुणवत्ता वाली और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। पीएम-बीजेपी (प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना) ने सस्ती दवाएं सुनिश्चित की हैं, जिससे गरीबों, मध्यम वर्ग और निम्न-मध्यम वर्ग के लिए बड़ी बचत हुई है। स्टेंट और घुटना प्रत्यारोपण की कम कीमतों ने अनगिनत भारतीयों को नया जीवन दिया है।

मोदी सरकार के अंतर्गत ही भारत को 30 साल बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मिली है। इस नीति का फोकस परिव्यय से हटकर परिणामों की ओर है। इस नीति की सुंदरता बड़े पैमाने पर परामर्श प्रक्रिया में निहित है,जो पहले कभी नहीं देखी गयी थी। इस नीति के साथ, भारत शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान का केंद्र बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। स्थानीय भाषाओं में शिक्षा की अनुमति देने और मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या में वृद्धि ने असंख्य आकांक्षाओं को पंख दिए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सबसे चिरस्थायी विरासतों में से एक यह है कि जिस तरह से प्रौद्योगिकी को सरकार के हर क्षेत्र में एकीकृत किया गया है, उससे लोगों को बुनियादी समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान प्राप्त करने में मदद मिलती है। JAM (जनधन, आधार, मोबाइल) ट्रिनिटी और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) ने बिना किसी बिचौलिए के करोड़ों लोगों तक लाभ पहुंचाया है।

पिछली सरकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह थी कि प्रशासनिक कार्य साइलोज में होते थे। शासन में इन साइलोज को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष प्रयास किये हैं। इसका एक प्रमुख उदाहरण पीएम-गति शक्ति पहल है, जिसमें अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के सपने को साकार करने के लिए प्रमुख आर्थिक मंत्रालयों को एक साथ लाया गया है। इसके अलावा प्रगति जैसी पहल जिसकी निगरानी सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा की जाती है, ये लाल फीताशाही और जड़ता को तोड़ने के नए तरीके हैं।

क्षेत्रीय असंतुलन दशकों से हमारे देश के विकास पथ के लिए अभिशाप रहा है। इसे खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना कार्यकाल समर्पित कर दिया है। पहली बार, आकांक्षी जिलों की अवधारणा को पेश किया गया था जिसमें हाशिये पर छोड़े गए क्षेत्रों पर विस्तृत ध्यान दिया गया। अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, राष्ट्र आकांक्षी ब्लॉक्स की ओर देख रहा है। पूर्वोत्तर, जो पहले हिंसा और नाकेबंदी के लिए जाना जाता था, अब रिकॉर्ड विकास के लिए जाना जाता है। स्वयं प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों द्वारा इस क्षेत्र के दौरे की संख्या अब तक के उच्चतम स्तर पर है। इस साल के केंद्रीय बजट में सीमावर्ती क्षेत्रों और वहां के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया। भारत के तटीय क्षेत्रों पर भी समान रूप से ध्यान दिया गया है।

जिस समाज को अपनी जड़ों पर गर्व नहीं है, वह कभी भी समृद्ध नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारत की ताकत हमारी विविधता, हमारे जीवंत विश्वास, भाषाएं, संस्कृतियां और रीति-रिवाज हैं। कई पुरावशेषों और कलाकृतियों को घर लौटते हुए देखना खुशी की बात है। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खास दिलचस्पी ली है। कई सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थानों को फिर से जीवंत किया गया है जो अधिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करेगा। यह भारतीय संस्कृति में देशवासियों की दिलचस्पी बढ़ाएगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा। इसका एक प्रमुख उदाहरण काशी विश्वनाथ कॉरिडोर है। संयुक्त राष्ट्र में तमिल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शब्द विभिन्न भारतीय भाषाओं के प्रति उनके स्नेह को दर्शाते हैं।

पिछले 8 वर्षों में भारत ने पर्यावरण को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी शुरू कर दी है। भारत का वन क्षेत्र बढ़ रहा है और इसी तरह शेरों, बाघों, गैंडों और तेंदुओं की आबादी भी।

इंटरनेशनल सोलर एलायंस और कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास हमारे ग्रह को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। शुद्ध-शून्य उत्सर्जन पर COP-26 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धताओं ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी बहुत सराहना हुई। भारत ने दिखाया है कि पर्यावरण, सशक्तीकरण और आर्थिक विकास एक साथ चल सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'इंडिया फर्स्ट' विदेश नीति के अभूतपूर्व परिणाम सामने आए हैं। इसके परिणामस्वरूप अधिक निवेश और लोगों से लोगों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के साथ जुड़ाव को फिर से परिभाषित किया है और उन्हें भारत के बाहरी संबंधों का अभिन्न स्तंभ बनाया है।

वर्ष 2020 पूरे विश्व के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष था। दुनिया ने सदी की सबसे बड़ी महामारी का सामना किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महामारी से लड़ने के लिए हर कदम पर विज्ञान-संचालित दृष्टिकोण पर जोर दिया। शुरुआत से ही वायरस के प्रसार को रोकने के उपाय किए गए थे। साथ-साथ राष्ट्र को कोविड अनुशासन का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। भारत ने वैक्सीन पर बहुत तेजी से काम शुरू किया और उन टीकों के समय पर रोलआउट होने से कई लोगों की जान बच गई। महामारी के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सुनिश्चित किया कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिले।

7 अक्टूबर, 2021 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरकार के प्रमुख के रूप में 20 साल (गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 12.5 साल और देश के प्रधानमंत्री के रूप में 7.5 साल) पूरे किए। किसी भी लोकतांत्रिक राजनीति में यह एक विशिष्ट उपलब्धि है जिसे कुछ ही लोगों ने हासिल किया है। दूसरों की सेवा करने और अपने साथी नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उनके निरंतर प्रयासों के कारण ही यह संभव हुआ है।

हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता पर गर्व महसूस होता है। जब हम भारतीयों के जीवन को बदलते हुए देखते हैं, तो हमें खुशी होती है कि हमारी सरकार हमारे राष्ट्र को सशक्त बना रही है और समृद्धि की नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। ■

पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता

केंद्र सरकार द्वारा वाहन ईंधन पर उत्पाद शुल्क में भारी कटौती से पेट्रोल और डीजल की कीमतें काफी कम हुई हैं। सरकार ने 21 मई को पेट्रोल एवं डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये एवं छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की। इससे पहले चार नवंबर, 2021 को पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क पांच रुपये और डीजल पर 10 रुपये घटाया गया था।

'पेट्रोल और डीजल की कीमतों में की गयी महत्वपूर्ण कमी से विभिन्न क्षेत्रों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उज्ज्वला सब्सिडी तथा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी पर आज के फैसलों से विभिन्न क्षेत्रों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, हमारे नागरिकों को राहत मिलेगी और 'जीवन-यापन में आसानी' को और बढ़ावा मिलेगा।

निर्णयों के संबंध में वित्त मंत्री के ट्वीट का उद्धरण देते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि जनता, हमारे लिए हमेशा सबसे पहले होती है। आज के फैसलों, विशेष रूप से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में की गयी महत्वपूर्ण कमी से संबंधित निर्णय, से विभिन्न क्षेत्रों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, हमारे नागरिकों को राहत मिलेगी तथा 'जीवन-यापन में आसानी' को और बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना ने करोड़ों भारतीयों, विशेष रूप से महिलाओं की मदद की है। उज्ज्वला सब्सिडी पर आज का फैसला, परिवार के बजट को काफी आसान बनाएगा।

'देश की आम जनता को इसकी सीधा लाभ पहुंचेगा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 मई, 2022 को पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में भारी कमी करने और रसोई गैस सिलिंडर व कृषि उर्वरकों पर अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उन्हें साधुवाद दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रो-एक्टिव, प्रो-रिस्पोंसिव और प्रो-पुअर भाजपा सरकार आम आदमी को राहत देने, उनके जीवन में बदलाव लाने और गरीबों के सशक्तीकरण हेतु लगातार काम करने के लिए कटिबद्ध है। इसका

एक और उदाहरण हमने कल देखा जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 6 महीने में दूसरी बार पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में भारी कमी की। पेट्रोल पर 8 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी घटाई गई है। इस छूट के चलते केंद्र सरकार पर सालाना एक लाख करोड़ रुपये का भार बढ़ेगा, लेकिन देश की आम जनता को इसकी सीधा लाभ पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 9 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को इस वर्ष हर सिलिंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी देने का भी निर्णय लिया है। सरकार के इस निर्णय से 9 करोड़ लाभार्थियों में से हर एक को इस वर्ष 2,400 रुपये तक की राहत मिलेगी अर्थात् लाभार्थियों को कुल 6,100 करोड़ रुपये का लाभ केंद्र की श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ओर से मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी, गरीब-हितैषी और आम जनता एवं गरीब माताओं-बहनों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से लिए गए इन ऐतिहासिक निर्णयों का स्वागत करता हूं और उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस पर बड़ी राहत देने के साथ-साथ श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने विश्व स्तर पर उर्वरक की बढ़ती कीमतों के बावजूद किसानों को इससे राहत देते हुए खेती के लिए जरूरी खाद पर 1.10 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी देने का भी निर्णय लिया है। यह इस बार के बजट में उर्वरक पर दी गई 1.05 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी के अतिरिक्त है।

उन्होंने कहा कि इस तरह श्री नरेन्द्र मोदी सरकार कृषि उर्वरकों पर किसानों को 2.15 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी दे रही है। मैं केंद्र की किसान हितैषी भाजपा सरकार के इस सराहनीय कदम का स्वागत करता हूं और इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को साधुवाद देता

हूं।

उन्होंने कहा कि जब पिछली बार 3 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्रीजी ने पेट्रोल और डीजल के दामों में कटौती की थी, तब भी विपक्ष द्वारा शासित कई राज्यों ने अपने स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी करने के लिए वैट में कोई कटौती नहीं की थी, जबकि भाजपा शासित राज्य सरकारों ने अपने स्तर पर आम जनता को काफी राहत दी थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने 27 अप्रैल, 2022 को मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक में भी आम जनता को राहत देने के लिए मुख्यमंत्रियों से पेट्रोल और डीजल पर राज्य द्वारा लगाए जाने वाले वैट में कटौती करने की अपील की थी।

श्री नड्डा ने कहा कि मैं दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर सभी राज्यों, विशेषकर उन राज्यों से इसी तरह की कटौती लागू करने और आम आदमी को राहत देने का अनुरोध करता हूं जहां नवंबर, 2021 में भी कोई कटौती नहीं की गई थी।

'मोदी सरकार ने आम लोगों को दी बड़ी राहत'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाने के फैसले का स्वागत करते हुए ट्वीट कर कहा, "इस चुनौतीपूर्ण वैश्विक स्थिति में भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर और गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी देकर आम जनता को बहुत बड़ी राहत दी है। अन्य क्षेत्रों के लिए भी कई ऐसे कदम उठाए हैं जिससे उत्पादों के दाम में कमी आएगी।''

श्री शाह ने एक अन्य ट्वीट में कहा, "मोदीजी देश के हर वर्ग की चिंता करने वाले एक संवेदनशील नेता हैं। इसलिए पिछले आठ वर्षों से देश के गरीब, किसान और आम जनता के हितों की चिंता हमेशा से मोदी सरकार के निर्णयों के केंद्र में रही है। इस जन-हितैषी निर्णय के लिए मोदीजी और निर्मला सीतारमणजी का आभार व्यक्त करता हूं।"

'हम गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं'

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने बताया कि जब से केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्ववाली सरकार आई है, हम गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। हमने गरीबों और मध्यम वर्ग की मदद के लिए कुछ कदम उठाए हैं। इसका नतीजा ये निकला है कि हमारे कार्यकाल में औसत महंगाई पिछली सरकार से कम ही रही है। ■

'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति 2018 में संशोधन को मिली मंजूरी

गत 18 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति 2018 में संशोधन किये जाने को मंजूरी दे दी। राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति, जिसे नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के जरिये 2009 में लागू किया गया था, के स्थान पर 'राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति 2018' को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 04 जून, 2018 को अधिसूचित किया था।

जैव-ईंधन में होने वाली प्रगति को ध्यान में रखते हुये राष्ट्रीय जैव-ईंधन समन्वय समिति (एनबीसीसी) की विभिन्न बैठकों में जैव-ईंधन उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसी तरह 01 अप्रैल, 2023 से देशभर में 20 प्रतिशत तक की एथेनॉल की मात्रा वाले एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के लिये पहलकदमी करने के बारे में स्थायी समिति की सिफारिशों पर भी निर्णय लिया गया, जिसके आलोक में राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति में संशोधन किये जा रहे हैं।

राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति के लिये स्वीकृत मुख्य संशोधन इस प्रकार हैं:

i. जैव-ईंधन के उत्पादन के लिये अधिक फीडस्टॉक्स को मंजूरी
ii. पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल के मिश्रण के लक्ष्य को ईएसवाई 2030 से पहले 2025-26 में ही प्राप्त करने के लिए पहलकदमी करना
iii. 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत विशेष आर्थिक जोन (सेज)/निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) द्वारा देश में जैव-ईंधन के उत्पादन को प्रोत्साहन
iv. एनबीसीसी में नये सदस्यों को जोड़ना
v. विशेष मामलों में जैव-ईंधन के निर्यात की अनुमति देना और
vi. राष्ट्रीय जैव-ईंधन समन्वय समिति की बैठकों के दौरान लिये गये निर्णयों के अनुपालन में नीति में कतिपय वाक्यों को काटना/संशोधित करना।

इस संशोधन से स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास के लिये आकर्षण और समर्थन बढ़ेगा, जिससे मेक इन इंडिया अभियान का मार्ग प्रशस्त होगा; तदनुसार और अधिक रोजगार पैदा होंगे।

मौजूदा राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति 2018 के दौरान अस्तित्व में आई थी। इस प्रस्तावित संशोधन से 'मेक इन इंडिया' अभियान का मार्ग प्रशस्त होगा तथा जैव-ईंधन के अधिक से अधिक उत्पादन के जरिये पेट्रोलियम उत्पादों के आयात में कटौती संभव होगी। जैव-ईंधन के लिये कई सारे फीडस्टॉक्स को मंजूरी दी जा रही है। इस कदम से 'आत्मनिर्भर भारत' को प्रोत्साहन मिलेगा तथा 2047 तक भारत के 'ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र' होने के प्रधानमंत्री की परिकल्पना को गति मिलेगी। ■

'पंजाब की वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने की ताकत केवल और केवल भाजपा में है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 मई, 2022 को लुधियाना स्थित ग्लाडा ग्राउंड में आयोजित विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया और पार्टी कार्यकर्ता से लुधियाना सहित पूरे राज्य के हर बूथ पर भाजपा को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा पंजाब में जनता की एक बहुत बड़ी ताकत बनने जा रही है। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा, केंद्रीय मंत्री श्री सोम प्रकाश, प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री दुष्यंत गौतम सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब में प्रायोजित आंदोलन के नाम पर भाजपा को बदनाम करने की साजिश रची गई, पार्टी कार्यकर्ताओं के कार्य में अवरोध उत्पन्न किये गए, लेकिन विपरीत परिस्थिति में भी भाजपा का हर कार्यकर्ता पंजाब में सच्चाई के रास्ते पर डटे रहे। इसके लिए मैं पार्टी के हर कार्यकर्ता को साधुवाद देता हूं एवं उनके संघर्ष की सराहना करता हूं। यह ठीक है कि भाजपा को पंजाब में अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाए, लेकिन जनता से मिल रहे समर्थन से यह तय है कि आने वाले दिनों में पंजाब में भी कमल खिलेगा और भाजपा की सरकार बनेगी। पंजाब की वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने की ताकत केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी में है। इस बार हमें चुनाव मैदान में बहुत कम समय मिला, क्योंकि हम पहली बार अपने पूर्व गठबंधन से अलग लड़ रहे थे। हमने पंजाब में पहली बार 73 सीटों पर चुनाव लड़ा और विषम परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा को अपना भरपूर प्यार व स्नेह दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार रिमोट कंट्रोल से चलने वाली सरकार है। यह सरकार दिल्ली वाया चंडीगढ़ चल रही है। मीडिया सूत्रों के अनुसार दिल्ली और पंजाब के बीच 16 विभागों का एमओयू साइन हुआ है। इसका मतलब स्पष्ट है कि पंजाब के इन विभागों की कमान दिल्ली के पास रहने वाली है। क्या पंजाब की जनता ने इसके लिए वोट दिया था कि उसकी सरकार कोई और चलाये? क्या यह पंजाब का अपमान नहीं है? क्या यह पंजाबियत के साथ धोखा नहीं है?

श्री नड्डा ने कहा कि पंजाब चुनाव के समय आम आदमी पार्टी ने 18 वर्ष से अधिक उम्र की बहनों को प्रति महीने 1,000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन अब पंजाब सरकार उस वादे पर कोई चर्चा नहीं करती। 24 घंटे मुफ्त बिजली का वादा भी आम आदमी पार्टी ने किया था लेकिन अब वह अपने वादे से ही मुकर गई है। वह दिल्ली में स्कूल और मोहल्ला क्लिनिक बनाने का दावा करती है लेकिन उसकी हकीकत क्या है, यह दिल्ली की जनता जानती है।

श्री नड्डा ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हरमंदिर साहिब के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम की मंजूरी दी, लंगर पर से टैक्स हटाया और करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण कराया। आज केंद्र की श्री नरेन्द्र मोदी सरकार लंगर पर सालाना 325 करोड़ रुपये का जीएसटी रिम्बर्स (Reimburse) दे रही है। आजादी के समय यदि भारत सरकार ने चाहा होता तो पवित्र ननकाना साहिब भारत का अंग होता। आजादी के 70 साल लग गए हमारे सिख भाइयों को करतारपुर साहिब का दर्शन करने में।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शहीद सुखदेव थापर की जन्मस्थली पहुंचकर किया नमन

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानी शहीद सुखदेव थापरजी की जयंती से एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 मई, 2022 को लुधियाना (पंजाब) में मोहल्ला नौघरा स्थित उनके पुश्तैनी घर पहुंचे और उनकी प्रतिमा पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री नड्डा ने कहा कि अपने प्राणों का उत्सर्ग करते हुए वीर भगत सिंह, वीर सुखदेव और राजगुरु जी ने देश को आजादी दिलाने में जो योगदान दिया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। ■

'भाजपा सरकार ने विकास की नई कहानी लिखी है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 मई, 2022 को कुल्लू स्थित ढालपुर मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और बदलते हुए परिवेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन सरकार को जरूरत बताते हुए उनकी गरीब कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इससे पहले श्री नड्डा ने कुल्लू में ओपन जीप में एक भव्य रोड शो किया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप, प्रदेश के भाजपा प्रभारी श्री अविनाश राय खन्ना, सह-प्रभारी श्री संजय टंडन, स्थानीय विधायक एवं हिमाचल सरकार में मंत्री श्री गोविंद ठाकुर एवं श्री रामलाल मार्कंडेय, भी उपस्थित थे। श्री नड्डा ने कुल्लू में 50 नई एम्बुलेंस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जनसभा में उमड़े जनज्वार को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 9वें वित्त आयोग में कांग्रेस की राजीव गांधी सरकार के दौरान हिमाचल प्रदेश का स्पेशल कैटेगरी स्टेटस वापस ले लिया गया था। उस समय हिमाचल में भी कांग्रेस की वीरभद्र सिंह सरकार थी। भाजपा ने इसके विरोध में यात्राएं निकाली, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। स्पेशल स्टेटस कैटेगरी से हटने के बाद हिमाचल प्रदेश पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया। 2014 में जब श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने बिना किसी मांग के हिमाचल प्रदेश का विशेष राज्य का दर्जा बहाल कर दिया। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी की सरकार ने हिमाचल प्रदेश को इंडस्ट्रियल पैकेज दिया था, लेकिन कांग्रेस की सोनिया-मनमोहन सरकार ने आते ही हिमाचल प्रदेश से इस इंडस्ट्रियल पैकेज को छीन लिया।

दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हिमाचल आये थे। तब उन्होंने प्रदेश में लगभग 11,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया था

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी ने प्रधानमंत्री रहते हुए हिमाचल प्रदेश में अटल टनल का शिलान्यास किया था। कांग्रेस की यूपीए सरकार आने पर 2004 से 2014 तक इस प्रोजेक्ट पर कोई प्रगति नहीं हुई। जब 2014 में केंद्र में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार का गठन हुआ तो प्रधानमंत्रीजी ने इस योजना को तेज गति से पूरा करवाया और उन्होंने इसे राष्ट्र को समर्पित किया। श्रद्धेय अटलजी का इस प्रोजेक्ट से बहुत ही इमोशनल कनेक्ट था। यह उनका एक ड्रीम प्रोजेक्ट था। अटलजी बार-बार कहते थे कि इस टनल का पत्थर उनके दिल पर गड़ा पत्थर है। रेणुका बांध परियोजना का भी शिलान्यास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। कोलडैम और पार्वती प्रोजेक्ट का भी काम 20 वर्षों से अटका हुआ था जो श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में पूरा हुआ है। दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हिमाचल आये थे। तब उन्होंने प्रदेश में लगभग 11,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया था।

हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जारी विकास यात्रा की चर्चा जारी रखते हुए श्री नड्डा ने कहा कि सिरमौर में लगभग 392 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट का निर्माण हो रहा है। लगभग 1400 करोड़ रुपये की लागत से बिलासपुर में एम्स का निर्माण हो रहा है। कुल्लू सहित प्रदेश में 9 जगहों पर ट्रॉमा सेंटर्स का निर्माण हो रहा है। साथ ही शिमला, चंबा, हमीरपुर और नाहन में चार नए मेडिकल कॉलेज बने हैं। नेशनल हाइवे का काम हमारी सरकार में हुआ है।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट 50:50 के रेशियो में केंद्र और राज्य के सहयोग से चलने वाला प्रोजेक्ट है लेकिन हिमाचल प्रदेश में 500 करोड़ रुपये के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार 450 करोड़ रुपये अर्थात् प्रोजेक्ट का 90 प्रतिशत राशि दे रही है, जबकि हिमाचल प्रदेश को इसमें केवल 50 करोड़ रुपये ही अपनी ओर से देने होंगे। विगत पांच साल में भाजपा की श्री जयराम ठाकुर सरकार में हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 6,148 किमी की सड़क बनी। भाजपा की जयराम ठाकुर सरकार ने हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्रीजी के दिशानिर्देशन में विकास की नई कहानी लिखी है और हमारी सरकार को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। ■

प्रजा संग्राम यात्रा, हैदराबाद (तेलंगाना)

तेलंगाना में हमारी सरकार बनने पर अल्पसंख्यक आरक्षण खत्म करेंगेः अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 14 मई, 2022 को हैदराबाद के बाहरी इलाके महेश्वरम के पास तुक्कुगुड़ा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री बंदी संजय कुमार के राज्यव्यापी 'प्रजा संग्राम यात्रा' के दूसरे चरण की पूर्णाहुति पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। श्री बंदी संजय कुमार ने 14 अप्रैल को मंदिर शहर आलमपुर से अपनी पदयात्रा 'प्रजा संग्राम यात्रा'के दूसरे चरण की शुरुआत की थी। कार्यक्रम में जनता की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बंदी संजय कुमार, प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री तरुण चुघ, पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती डी.के. अरुणाजी, केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, श्री के. लक्ष्मण, श्री मुरलीधर राव, श्री सुधाकर रेड्डी, श्री जितेंद्र रेड्डी, श्रीमती विजया शांति, श्री इटला राजेंद्र, श्री टी. राजा और श्री अरविंद धर्मपुरी के साथ-साथ पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। श्री शाह ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमारजी की 'प्रजा संग्राम यात्रा' किसी पार्टी को हटाने या किसी पार्टी की सरकार बनाने की नहीं है, किसी को मुख्यमंत्री बनाने की नहीं है, बल्कि यह गांव, गरीब, किसान, दलित, आदिवासी, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के कल्याण की यात्रा है। यह हैदराबाद के निजाम को बदलने की यात्रा है। यह उन लोगों को श्रद्धांजलि देने की यात्रा है जिन्होंने रजाकारों के आतंक से तेलंगाना राष्ट्र को मुक्त कराकर भारत मां के आंचल में लाने का महती कार्य किया। यह लोकतंत्र में परिवारवाद की मानसिकता को प्रतिस्थापित करने वालों के खिलाफ की यात्रा है। यह अरबों-खरबों का भ्रष्टाचार करने वाली, दलित-आदिवासियों के साथ वादाखिलाफी करने वाली और मजलिस के डर से तेलंगाना विमोचन दिवस को मनाने से इनकार करने वाली टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकने की यात्रा है।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमारजी ने 45 डिग्री की चिलचिलाती गर्मी में लगभग 760 किमी पैदल चलकर प्रजा संग्राम यात्रा के दूसरे चरण को पूरा किया है। जब प्रजा संग्राम यात्रा पूर्ण होगी तो हमारे प्रदेश अध्यक्ष 2,500 किमी की दूरी तय करने के साथ तेलंगाना की पग-पग भूमि को नाप चुके होंगे। श्री शाह ने एक मोबाइल नंबर 6359119119 नंबर भी जारी किया, जिस पर मिस्ड कॉल के जरिये तेलंगाना के नागरिक प्रजा संग्राम यात्रा को अपना समर्थन दे सकते हैं और इसमें भाग ले सकते हैं।

केसीआर सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए श्री शाह ने कहा कि तेलंगाना के निर्माण के वक्त चंद्रशेखर राव ने 'नीलू, निधुलु और नियमकालु' अर्थात् 'जल, निधि और रोजगार' वादा किया था लेकिन इसमें से कुछ भी पूरा नहीं हुआ। मैं तेलंगाना की जनता का आह्वान करता हूं कि आप प्रदेश में एक बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार का गठन कीजिये,

'अरुणाचल प्रदेश भारत माता के मुकुट में एक मणि की तरह दैदीप्यमान है'

केंन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 22 मई को अरुणाचल प्रदेश स्थित नामसाई में 1000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए श्री शाह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत माता के मुकुट में एक मणि की तरह दैदीप्यमान है और यह पवित्र भूमि कई प्रकार की संस्कृतियों के मिलन की भूमि है। उन्होंने कहा कि वे हर बार देशभक्ति की उत्कृष्ट भावना लेकर यहां से जाते हैं और देशभर के युवाओं को अरुणाचल के देशभक्ति के संस्कार को सीखने और आगे बढ़ाने की ज़रूरत है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा क्षेत्र से जुड़ी दो बड़ी प्रोफ़ेशनल यूनिवर्सिटी को आगे बढ़ाया है। पहली, राष्ट्रीय फ़ॉरेन्सिक साइंस यूनिवर्सिटी और दूसरी, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी। राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी रक्षा के क्षेत्र में तकनीक से लैस टेक्नोक्रेट तैयार करने की यूनिवर्सिटी है। इस यूनिवर्सिटी से हमारे सैन्य और अर्धसैनिक बलों को प्रशिक्षित मैनपावर मिलेगी। राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी यहां आने से अरुणाचल प्रदेश के युवाओं के लिए देशभर के पुलिस बलों में काम करने की अनेक संभावनाएं खुलने वाली हैं। गुजरात के बाद राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी का ये पहला परिसर अरुणाचल में खुलने वाला है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज यहां 350 करोड़ रुपये की लागत से 25 योजनाओं का शुभारंभ हो रहा है और 436 करोड़ रुपये की लागत से बनीं 22 योजनाएं परिपूर्ण होकर लोकार्पित की गई हैं। इस प्रकार एक ही दिन में अरुणाचल प्रदेश में 786 करोड़ रुपये के विकास कार्य पूरे या शुरू हो रहे हैं। विकास योजनाओं से 33,466 परिवार और 800 स्वयं सहायता समूहों को लगभग 244 करोड़ रुपये का लाभ मिला है। ■

हम जल भी उपलब्ध करायेंगे, पर्याप्त बजट भी प्रदेश को देंगे और युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर सचिवालय ही नहीं जाते हैं। सुनने में आया है कि किसी तांत्रिक ने कहा है कि यदि केसीआर सचिवालय गए तो उनकी सरकार चली जायेगी। मुख्यमंत्रीजी, आप सचिवालय जाएं या न जाएं, तेलंगाना की जनता ने आपको सत्ता से उखाड़ फेंकने का निश्चय कर लिया है।

उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार ने श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की योजनाओं का नाम बदलने के सिवा कोई काम नहीं किया। टीआरएस सरकार ने समग्र शिक्षा योजना, मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम बदलकर उसे अपना नाम देकर चला रहे हैं। वे इन योजनाओं पर अपनी और और अपने बेटे की फोटो लगवा रहे हैं, लेकिन तेलंगाना की जनता सच्चाई जानती है।

श्री शाह ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा कार्यकर्ताओं की दिन-दहाड़े हत्या हो रही है। केसीआर तेलंगाना को पश्चिम बंगाल जैसा बनाना चाहते हैं। टीआरएस ने ऐसा माहौल खड़ा कर दिया कि हमारे साईं गणेश को आत्महत्या करनी पड़ी। हम चैन से नहीं बैठेंगे। हम सुनिश्चित करेंगे कि साईं गणेश के हत्यारे को सजा मिले। केसीआर सरकार कब तक बचेगी। आखिर उन्हें चुनाव के मैदान में तो आना ही होगा। केसीआर फॉर्म हाउस और फाइव स्टार होटल में बैठकर राग अलापते रहते हैं कि जल्दी चुनाव करा देंगे। अरे केसीआर बाबू, आप चुनाव कल करा दो, भाजपा तो चुनाव के लिए तैयार बैठी है। हम भी चुनाव की ही राह देख रहे हैं। आपकी हार और तेलंगाना में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार का बनना तय है।

टीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की एकता व अखंडता के लिए और जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए वहां से धारा 370 को हमेशा-हमेशा के लिए ख़त्म कर दिया, क्योंकि हम किसी से नहीं डरते, हम राष्ट्र हित को सदैव आगे रखते हैं, पर केसीआर ने तेलंगाना आंदोलन के समय 'तेलंगाना विमोचन दिवस' मनाने का वादा किया था लेकिन मजलिस से डर के कारण ये अपना वादा भूल गए। टीआरएस सरकार मजलिस की गोद में बैठी हुई है। भाजपा मानती है कि जिस दिन निजाम और रजाकारों के आतंक से तेलंगाना को मुक्ति मिली, वह दिन पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है। भाजपा पूरे जोश और उत्साह के साथ तेलंगाना विमोचन दिवस मनाएगी। मैं तेलंगाना की जनता से अनुरोध करना चाहता हूं कि आप मजलिस और केसीआर, दोनों को एक साथ उखाड़कर फेंक दीजिये और भाजपा की सरकार का गठन कीजिये।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना की केसीआर सरकार ने धर्म के आधार पर एससी, एसटी और ओबीसी रिजर्वेशन में कटौती कर एक खास अल्पसंख्यक वर्ग को आरक्षण दिया है जो कहीं से भी सही नहीं है। तेलंगाना में हमारी सरकार बनने पर हम धर्म के आधार पर दिए जाने वाले आरक्षण को ख़त्म कर एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण की सीमा को फिर से बढ़ाएंगे। भ्रष्टाचार और तंत्र-मंत्र के आधार पर चलने वाली केसीआर सरकार तेलंगाना का कभी भला नहीं कर सकती, ये केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही संभव है। उन्होंने 8 वर्षों में पूरी दुनिया में भारत का डंका बजाया है। चाहे कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई हो, 190 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर करना हो, देश को स्टार्ट-अप का हब बनाना हो- हर क्षेत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सफलता की नई कहानी लिखी है। ■

"संवेदना भी, संवाद भी"

भाजपा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा ने 17 मई, 2022 को भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में 'सामाजिक संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष, एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य और मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा अनुसूचित जाति समुदाय मोदी सरकार की गरीब हितैषी कल्याणकारी योजनाओं का सबसे बड़ा लाभार्थी है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार कल्याणकारी और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित कई योजनाएं चला रही है। इसके साथ ही लंबे समय से चले आ रहे समाज के मुद्दों को भी संबोधित कर रही है। उदाहरण के लिए अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से कश्मीर में एससी समुदाय के लोगों को बड़ा लाभ मिला। इसी तरह प्राथमिकता के आधार पर 'पंचतीर्थ' के विकास ने हमारे संविधान के निर्माता को सम्मानित किया है और इस समुदाय के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित किया है।

श्री नड्डा ने कहा कि 'संवेदना भी, संवाद भी' वाला हमारा दृष्टिकोण समुदाय के लोगों के साथ लगातार संवाद स्थापित करने के लिए है। अगर हम उनसे मिलें, उनके साथ भोजन करें, उनकी चिंताओं को सुनें और कोई समाधान निकालने की कोशिश करें, तो निश्चित रूप से लोगों की अपेक्षाओं को पूरा किया जा सकता है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि दलित आंदोलनों को आगे

बढ़ाया जाना चाहिए और ऐसे आंदोलनों से नेतृत्व तैयार किया जाना चाहिए। आइए, इस गतिविधि को दलित बस्तियों, विश्वविद्यालय छात्रावासों की सूची बनाकर शुरू करें; दो से सात व्यक्तियों की एक टीम बनाकर इन छात्रावासों में जाकर, उनसे संपर्क स्थापित करें। यह असंभव लगता है लेकिन एक प्रभावशाली प्रयास हो सकता है— मेरा विश्वास करें, मैं अनुभव से बोल रहा हूं।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष ने मोर्चा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमने अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित मुद्दों पर घंटों विस्तृत विचार-विमर्श किया है। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन की एक राजनीतिक यात्रा है, जिसमें हम जाति, वर्ग और भौगोलिक भिन्नता के बावजूद सभी वर्गों की एकता को सुनिश्चित करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। ■

भाजपा महिला मोर्चा का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, मप्र

'भाजपा सरकारें हमेशा महिलाओं और बेटियों का ख्याल रखती हैं'

भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा ने 13 मई से 15 मई, 2022 तक मध्य प्रदेश के सीहोर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान, महिला सशक्तीकरण में भाजपा की भूमिका और महिलाओं से संबंधित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गयी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों के दौरान महिलाओं से संबंधित कानूनों, भारत में महिलाओं की स्थिति, नए भारत में महिलाओं की भूमिका आदि विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं महिला मोर्चा के प्रभारी श्री दुष्यंत कुमार गौतम, भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती वानथी श्रीनिवासन, मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी, मध्य प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री मुरलीधर राव, रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने महिला मोर्चा के सदस्यों को संबोधित किया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकारों ने हमेशा हमारी महिलाओं और बेटियों का ख्याल रखा है। भाजपा का एजेंडा न केवल महिला सशक्तीकरण है, बल्कि हम उनके सामाजिक सशक्तीकरण, राजनीतिक सशक्तीकरण, आर्थिक सशक्तीकरण

'मैं भाजपा में हूं' के बजाय 'मैं भाजपा हूं' का विश्वास कार्यकर्ता के व्यक्तित्व में झलकना चाहिए

भारतीय जनता युवा मोर्चा का तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर 13, 14 एवं 15 मई, 2022 को धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित हुआ। इसका उद्घाटन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने किया। इस वर्ग में भाजयुमो के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, सभी प्रदेशों के पदाधिकारियों एवं हिमाचल प्रदेश कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

अपने वक्तव्य में श्री नड्डा ने जनसंघ के दिनों से भाजपा की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि शीर्ष पर हमेशा जगह होती है। अपनी लगन, मेहनत से आप उस जगह को भर सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान को बढ़ाने व आपका मार्गदर्शन करने के लिए यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। 'मैं भाजपा में हूं' के बजाय 'मैं भाजपा हूं' का विश्वास प्रत्येक भारतीय व प्रत्येक संगठन के कार्यकर्ता के व्यक्तित्व में झलकना चाहिए। यह आत्मविश्वास आपको और आपकी पार्टी को राष्ट्रहित में निःस्वार्थ भाव से काम करने की ताकत देता है। इस अवसर पर पर श्री नड्डा ने भाजयुमो की 'सुशासन पत्रिका' का भी लोकार्पण किया।

विभिन्न सत्रों में आईसीसीआर के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री विनय सहस्रबुद्धे ने 'हमारी विचारधारा', भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुग ने 'कार्यपद्धति' एवं श्री मुरलीधर राव ने 'हमारा विचार परिवार' विषय पर अपने विचार रखे।

प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन सर्वोच्च न्यायालय के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री विक्रमजीत बनर्जी ने 'टूल्स ऑफ लीगल एक्टिविज़्म' पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। 'न्यू इंडिया 2047– स्टार्टअप, उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और सरकार' विषय पर पेटीएम के संस्थापक श्री विजय शेखर शर्मा, उड़ान के संस्थापक श्री सुजीत कुमार और कू ऐप के सह संस्थापक श्री अमेय राधाकृष्ण ने अपने विचार साझा किए। इसके बाद भारतीय सेना के कैप्टन श्री आर. रघुराम ने 'सशस्त्र बलों के नेतृत्व' विषय पर अपने विचार रखे।

समापन सत्र में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं भाजयुमो प्रभारी श्री तरुण चुग ने 'भाजयुमो की भूमिका' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि युवा मोर्चा का हर कार्यकर्ता व्यवस्था परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। हमें केंद्र सरकार द्वारा आम जनता के लिए किये जा रहे प्रयासों को उन तक पहुंचाने का उद्यम करना है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद श्री तेजस्वी सूर्या ने प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण सत्र में हम अपने कार्यकर्ताओं के बौद्धिक, सामाजिक, संगठनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से समग्र विकास पर जोर दे रहे हैं, जो निश्चित रूप से हमारे कार्यकर्ताओं को उनके सार्वजनिक और व्यक्तिगत जीवन में मदद करेंगे। ■

पर भी ध्यान दे रहे हैं और पार्टी इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है।

केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा ने हमेशा समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 50 प्रतिशत महिला आबादी को सशक्त बनाने के लिए उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, नल जल योजना, मुद्रा योजना जैसी विभिन्न जनहितैषी योजनाएं लागू कर, महिलाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत का विचार महिलाओं के बिना पूरा नहीं हो सकता और पार्टी का विचार महिला कार्यकर्ताओं के बिना पूरा नहीं हो सकता।

भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती वानथी श्रीनिवासन ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए है और ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। इसी को देखते हुए महिला मोर्चा ने निर्णय लिया है कि अगले तीन माह तक मोर्चा की एक लाख महिला कार्यकर्ता को प्रशिक्षित किया जाएगा और ये जनता के बीच जाकर मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सरकार की नीतियों का प्रचार-प्रसार करेंगी ■

भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में 83.57 अरब अमेरिकी डॉलर का सर्वाधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हासिल किया

वित्त वर्ष 2003-04 की तुलना में भारत के एफडीआई में 20 गुना वृद्धि हुई है, जब एफडीआई केवल 4.3 अरब अमेरिकी डॉलर था

भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में 83.57 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल किया जो अब तक किसी भी वित्त वर्ष में सबसे अधिक है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 20 मई को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2014-15 में भारत में केवल 45.15 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई आया था, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में 83.57 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई अब तक का सर्वाधिक सालाना एफडीआई है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2003-04 की तुलना में भारत के एफडीआई में 20 गुना वृद्धि हुई है, जब एफडीआई केवल 4.3 अरब अमेरिकी डॉलर था।

पिछले चार वित्तीय वर्षों के दौरान रिपोर्ट किए गए कुल एफडीआई का विवरण इस प्रकार हैः

क्र. सं.	वित्त वर्ष	एफडीआई की राशि (अरब अमेरिकी डॉलर में)
1.	2018-19	62.00
2.	2019-20	74.39
3.	2020-21	81.97
4.	2021-22	83.57

दरअसल, भारत विनिर्माण क्षेत्र में विदेशी निवेश के लिए एक पसंदीदा देश के रूप में तेजी से उभर रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2020-21 (12.09 अरब अमेरिकी डालर) की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 (21.34 अरब अमेरिकी डॉलर) में विनिर्माण क्षेत्रों में एफडीआई इक्विटी में 76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भारत के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में निम्नलिखित प्रवृत्ति वैश्विक निवेशकों के बीच एक तरजीही निवेश गंतव्य के रूप में इसकी स्थिति का सबूत है।

इस बात पर गौर किया जा सकता है कि एफडीआई प्रवाह में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है– भारत में कोविड के बाद (मार्च, 2020 से मार्च, 2022: 171.84 अरब अमेरिकी डॉलर) कोविड से पहले एफडीआई (फरवरी, 2018 से फरवरी, 2020: 141.10 अरब अमेरिकी डॉलर) की जानकारी दी गई है।

भारत विनिर्माण क्षेत्र में विदेशी निवेश के लिए एक पसंदीदा देश के रूप में तेजी से उभर रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2020-21 (12.09 अरब अमेरिकी डालर) की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 (21.34 अरब अमेरिकी डॉलर) में विनिर्माण क्षेत्रों में एफडीआई इक्विटी में 76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में निवेश करने वाले शीर्ष निवेशक देशों के मामले में सिंगापुर 27 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद 18 प्रतिशत के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर और 16 प्रतिशत के साथ मॉरीशस तीसरे स्थान पर है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान देश में 'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर' क्षेत्र में सबसे ज्यादा विदेशी निवेश देखने को मिला है, जहां करीब 25 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ क्रमशः सेवा क्षेत्र (12 प्रतिशत) और ऑटोमोबाइल उद्योग (12 प्रतिशत) का स्थान है।

'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर' क्षेत्र के तहत वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान सबसे ज्यादा एफडीआई 53 प्रतिशत कर्नाटक में आया, तो दिल्ली में 17 प्रतिशत और महाराष्ट्र में भी 17 प्रतिशत रहा। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त करने वाला राज्य कर्नाटक है, जहां 38 प्रतिशत एफडीआई आया है। इसके बाद 26 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र और 14 प्रतिशत के साथ दिल्ली का स्थान है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कर्नाटक के अधिकांश इक्विटी प्रवाह 'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर' (35 प्रतिशत), ऑटोमोबाइल उद्योग (20 प्रतिशत) और शिक्षा (12 प्रतिशत) क्षेत्रों में रिपोर्ट किए गए हैं।

पिछले आठ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के अच्छे परिणाम मिले हैं जो देश में प्राप्त एफडीआई प्रवाह की लगातार बढ़ती मात्रा से स्पष्ट है, जिसने नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। केंद्र सरकार एफडीआई नीति की लगातार समीक्षा करती है और महत्वपूर्ण बदलाव करती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत एक आकर्षक और निवेशकों के लिए उपयोगी स्थान है।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने एफडीआई के लिए एक उदार और पारदर्शी नीति बनाई है, जिसमें अधिकांश क्षेत्र स्वचालित मार्ग के तहत एफडीआई के लिए खुले हैं। कारोबार में आसानी और निवेशकों को आकर्षित करने की सुविधा प्रदान करने के लिए एफडीआई नीति को अधिक उदार और सरल बनाने के लिए हाल ही में कोयला खनन, अनुबंध निर्माण, डिजिटल मीडिया, एकल ब्रांड खुदरा व्यापार, नागरिक उड्डयन, रक्षा, बीमा और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में सुधार किए गए हैं। ■

देश में रिकॉर्ड 31.451 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन होने का अनुमान

खाद्यान्न का उत्पादन पिछले 5 वर्षों के औसत खाद्यान्न उत्पादन से 2.38 करोड़ टन अधिक होने का अनुमान। चावल, मक्का, दलहन, तिलहन, चना, रेपसीड एवं सरसों और गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन अनुमानित

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए प्रमुख कृषि फसलों के उत्पादन का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया गया है। मंत्रालय द्वारा 19 मई को जारी एक बयान के अनुसार देश में खाद्यान्न का उत्पादन रिकॉर्ड 31.451 करोड़ टन होने का अनुमान है जो 2020-21 की अवधि के खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 37.7 लाख टन अधिक है। 2021-22 के दौरान उत्पादन पिछले पांच वर्षों (2016-17 से 2020-21) के औसत खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 2.38 करोड़ टन अधिक है। चावल, मक्का, दालें, तिलहन, चना, रेपसीड एवं सरसों और गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन अनुमानित है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि इतनी सारी फसलों का यह रिकार्ड उत्पादन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार की किसान हितैषी नीतियों के साथ ही किसानों के अथक परिश्रम और वैज्ञानिकों की लगन का परिणाम है।

विभिन्न फसलों के उत्पादन का आकलन राज्यों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है जिसकी पुष्टि अन्य स्रोतों से उपलब्ध जानकारी से की गई है। तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार 2021-22 के दौरान प्रमुख फसलों का अनुमानित उत्पादन निम्नानुसार है:

खाद्यान्न 31.451 करोड़ टन, चावल 12.966 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), गेहूं 10.641 करोड़ टन, पोषक/मोटे अनाज 5.070 करोड़ टन, मक्का 3.318 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), दलहन 2.775 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), तूर 43.5 लाख टन, चना 1.398 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), तिलहन 3.850 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), मूंगफली 1.009 करोड़ टन, सोयाबीन 1.383 करोड़ टन, रेपसीड और सरसों 1.175 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), गन्ना 43.05 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), कपास 3.154 करोड़ गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम), जूट और मेस्टा 1.022 करोड़ गांठें (प्रत्येक 180 किग्रा)। ■

चीनी सत्र 2017-18 की तुलना में 2021-22 में चीनी का निर्यात हुआ 15 गुना

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा 19 मई को जारी एक बयान के अनुसार चीनी सत्र 2017-18 की तुलना में वर्तमान चीनी सत्र 2021-22 में चीनी का 15 गुना निर्यात हो चुका है। आयात करने वाले प्रमुख देशों में इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई, मलेशिया और अफ्रीकी देश शामिल हैं।

चीनी सत्र 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में क्रमशः 6.2 एलएमटी, 38 एलएमटी और 59.60 एलएमटी चीनी का निर्यात किया गया था। चीनी सत्र 2020-21 में 60 एलएमटी के लक्ष्य की तुलना में लगभग 70 एलएमटी का निर्यात किया गया था। बीते 5 साल के दौरान चीनी के निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए चीनी मिलों को लगभग 14,456 करोड़ रुपये और बफर स्टॉक बनाए रखने के लिए रखरखाव लागत के रूप में 2,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी की कीमतों में तेजी और स्थायित्व का रुख है, इसलिए वर्तमान चीनी सत्र 2021-22 में चीनी के निर्यात के लिए लगभग 90 एलएमटी के निर्यात के अनुबंध किए गए हैं और यह भी बिना किसी निर्यात सब्सिडी के ऐलान के किया गया है। इसमें से 75 एलएमटी का निर्यात 18.05.2022 तक कर दिया गया है।

गौरतलब है कि चीनी सत्र 2013-14 में 9.5 प्रतिशत की रिकवरी पर गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 210 रुपये प्रति क्विंटल था। गन्ना किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने पिछले 8 साल के दौरान समय-समय पर गन्ने के एफआरपी में बढ़ोतरी की है और चीनी सत्र 2021-22 के लिए 10 प्रतिशत रिकवरी पर बढ़ाकर 290 रुपये प्रति क्विंटल (जो 9.5 प्रतिशत रिकवरी पर 275.50 रुपये क्विंटल होता है) कर दिया गया है, जो चीनी सत्र 2013-14 के एफआरपी से 31 प्रतिशत ज्यादा है। ■

दो स्वदेशी फ्रंटलाइन युद्धपोतों– आईएनएस सूरत और आईएनएस उदयगिरी का जलावतरण

आईएनएस सूरत पी15बी श्रेणी का चौथा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक है, जबकि आईएनएस उदयगिरि पी17ए क्लास का दूसरा स्टील्थ फ्रिगेट है

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 17 मई, 2022 को मझगांव गोदी लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई में भारतीय नौसेना के दो फ्रंटलाइन युद्धपोतों— आईएनएस सूरत और आईएनएस उदयगिरी का जलावतरण किया। आईएनएस सूरत पी15बी श्रेणी का चौथा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक है, जबकि आईएनएस उदयगिरि पी17ए क्लास का दूसरा स्टील्थ फ्रिगेट है। दोनों युद्धपोतों को नौसेना डिजाइन निदेशालय (डीएनडी) द्वारा अपने यहां डिजाइन किया गया है और एमडीएल, मुंबई में बनाया गया है।

गौरतलब है कि प्रोजेक्ट 15बी श्रेणी के जहाज भारतीय नौसेना की अगली पीढ़ी के स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर हैं, जिन्हें एमडीएल में बनाया जा रहा है, जो हथियार प्रखर पी15ए (कोलकाता क्लास) डिस्ट्रॉयर्स के फॉलो-ऑन क्लास हैं। पी17ए फ्रिगेट्स युद्धपोत हैं जो पी17 (शिवालिक क्लास) फ्रिगेट्स के फॉलो-ऑन क्लास हैं, जिनमें बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम हैं। एमडीएल और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में सात पी17ए फ्रिगेट निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। डिस्ट्रॉयर और फ्रिगेट जैसे जटिल फ्रंटलाइन प्लेटफॉर्म का स्वदेश में निर्माण 'आत्मनिर्भर भारत' पर सरकार की परिकल्पना के अनुरूप है।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में युद्धपोतों का वर्णन आत्मनिर्भरता हासिल करने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए देश की समुद्री क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता के अवतार के रूप में किया, ऐसे समय में जब दुनिया कोविड-19 के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान देख रही है और रूस-यूक्रेन संघर्ष चल रहा है। उन्होंने महामारी के बावजूद जहाज उत्पादन कार्यों को जारी रखने और वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय नौसेना की रणनीतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एमडीएल को बधाई दी।

श्री सिंह ने कहा कि दोनों युद्धपोत भारतीय नौसेना के शस्त्रागार की ताकत बढ़ाएंगे और दुनिया को भारत की रणनीतिक ताकत के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की शक्ति का परिचय देंगे। उन्होंने कहा कि आईएनएस उदयगिरी और आईएनएस सूरत भारत की बढ़ती स्वदेशी क्षमता के चमकते हुए उदाहरण हैं। युद्धपोत दुनिया के सबसे तकनीकी रूप से उन्नत मिसाइल वाहक होंगे, जो वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी पूरा करेंगे। आने वाले समय में हम न केवल अपनी जरूरतों को पूरा करेंगे, बल्कि दुनिया की जहाज निर्माण की जरूरतों को भी पूरा करेंगे। हम जल्द ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की परिकल्पना को साकार करेंगे।

श्री सिंह ने कहा कि यदि कोई देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना चाहता है, तो उसे अपने सैन्य कौशल को मुख्य भूमि से बहुत दूर के क्षेत्रों में प्रदर्शित करना चाहिए। यदि किसी देश की क्षेत्रीय या वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा है, तो एक मजबूत नौसैनिक बल विकसित करना आवश्यक है। सरकार इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है। हम एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाना चाहते हैं, जिसे एक वैश्विक शक्ति के रूप में मान्यता प्राप्त हो।

रक्षा मंत्री ने इस तथ्य की सराहना की कि भारतीय नौसेना हमेशा स्वदेशी जहाजों, पनडुब्बियों आदि के निर्माण के माध्यम से आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने में सबसे आगे रही है। 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल के साथ हाथ मिलाते हुए नौसेना ने आवश्यकता (एओएन) की 76 प्रतिशत और 2014 में भारतीय विक्रेताओं को 66 प्रतिशत लागत-आधारित अनुबंध और लगभग 90 प्रतिशत नौसेना गोला-बारूद के स्वदेशीकरण को स्वीकृति दी। इसके अलावा, पिछले पांच वित्तीय वर्षों में नौसेना के आधुनिकीकरण बजट का दो-तिहाई से अधिक स्वदेशी खरीद पर खर्च किया गया है। नौसेना द्वारा ऑर्डर किए गए 41 जहाजों और पनडुब्बियों में से 39 भारतीय शिपयार्ड से हैं।

रक्षा मंत्री ने स्वदेशी विमान वाहक 'आईएनएस विक्रांत' का विशेष उल्लेख करते हुए इसे भारतीय नौसेना के 'आत्मनिर्भर भारत' के पथ में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वाहक हिंद महासागर से प्रशांत और अटलांटिक महासागर तक भारत की पहुंच बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि 'आईएनएस विक्रांत' का जलावतरण भारतीय रक्षा इतिहास में एक स्वर्णिम क्षण होगा। ■

भारत और नेपाल के बीच छह समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउबा के निमंत्रण पर 16 मई, 2022 को बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर नेपाल के लुंबिनी की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी की यह नेपाल की पांचवीं और लुंबिनी की पहली यात्रा थी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेपाल पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री देउबा, उनकी पत्नी डॉ. आरजू राणा देउबा सहित कई मंत्रियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री श्री देउबा के साथ नई दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) से संबंधित लुंबिनी स्थित एक भूखंड पर भारत अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति एवं विरासत केंद्र के निर्माण हेतु शिलान्यास समारोह में भाग लिया। इस शिलान्यास समारोह के बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने बौद्ध केंद्र के एक मॉडल का भी अनावरण किया, जिसकी परिकल्पना नेट-ज़ीरो उत्सर्जन के अनुरूप एक विश्वस्तरीय सुविधा के रूप में की गई है जिसमें प्रार्थना कक्ष, ध्यान केंद्र, पुस्तकालय, प्रदर्शनी हॉल, कैफेटेरिया एवं अन्य सुविधाएं होंगी और यह दुनिया भर के बौद्ध तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए खुला रहेगा। ■

प्रधानमंत्री की नेपाल यात्रा के दौरान हस्ताक्षर हुए तथा आदान-प्रदान किये गए समझौता ज्ञापनों/समझौतों की सूची

क्र.	समझौता ज्ञापन का नाम
1	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) और लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के बीच बौद्ध अध्ययन के लिए डॉ. अम्बेडकर चेयर की स्थापना पर समझौता ज्ञापन
2	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) और सीएनएएस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के बीच भारतीय अध्ययन के आईसीसीआर चेयर की स्थापना पर समझौता ज्ञापन
3	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) और काठमांडू विश्वविद्यालय (केयू) के बीच भारतीय अध्ययन के आईसीसीआर चेयर की स्थापना पर समझौता ज्ञापन
4	काठमांडू विश्वविद्यालय (केयू), नेपाल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी-एम), भारत के बीच सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन
5	काठमांडू विश्वविद्यालय (केयू), नेपाल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटीएम), भारत के बीच समझौता पत्र (एलओए) [स्नातकोत्तर (मास्टर) स्तर पर संयुक्त डिग्री कार्यक्रम के लिए]
6	अरुण 4 परियोजना के विकास और कार्यान्वयन के लिए एसजेवीएन लिमिटेड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के बीच समझौता

भारत ने महामारी से निपटने के लिए एक जन केंद्रित रणनीति अपनाई: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ आर. बाइडन के निमंत्रण पर दूसरे वैश्विक कोविड वर्चुअल शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। श्री मोदी ने 'महामारी की थकान की रोकथाम और तैयारी को प्राथमिकता' विषय पर शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत ने महामारी से निपटने के लिए एक जन केंद्रित रणनीति अपनाई और इस साल अपने स्वास्थ्य बजट के लिए अब तक का सबसे अधिक आवंटन किया है। श्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चला रहा है और अपनी करीब नब्बे प्रतिशत वयस्क आबादी और पचास मिलियन से अधिक बच्चों का टीकाकरण कर चुका है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि वैश्विक समुदाय के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में भारत अपनी सस्ती स्वदेशी कोविड शमन प्रौद्योगिकियों, टीकों और चिकित्सा विज्ञान को दूसरे देशों के साथ साझा करके सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। ■

संपूर्णता का विचार

पं. दीनदयाल उपाध्याय

यदि अपने देश को परम वैभव पर ले जाना है क तो उस वैभव की कल्पना उसका ज्ञान अपने को रहना चाहिए। पश्चिमी राष्ट्रों ने प्रगति की भी है, लेकिन उनकी दृष्टि कैसी है, विचार कैसा किया, उनको आघात कैसे सहन करने पड़े और विफल बन गए आदि का विचार कल यहां हुआ। पाश्चात्य जीवन आज सुखी नहीं है। व्यक्ति और समाज जीवन की मनीषा पूर्ण करने का कुछ साधन उनके पास नहीं। ऐसी परिस्थिति में हम पूर्ण जीवन की ओर देखें। पाश्चात्यों का अनुकरण ठीक नहीं, जीवन के संबंध में अपने यहां भी विचार हुए हैं। ऋषि-मुनियों ने क्या सोचा है, इसका विचार करें। वे विचार यदि हमें अनुकूल लगें और वे देश-काल निरपेक्ष हैं तो उनको स्वीकार कर आगे बढ़ें।

व्यक्ति क्या है, उसका स्वरूप क्या है, उसका हित किसमें है, इन प्रश्नों के बारे में पाश्चात्यों के विचार और अपने विचार इनमें मूलभूत भिन्नता है। मैं, यानी केवल शरीर मात्र नहीं, शरीर से आगे बढ़कर 'मैं' कुछ हूं। शरीर के साथ-साथ मन-बुद्धि सबके अंदर मैं निहित है। मन-बुद्धि आदि दिखाई देते नहीं, फिर भी हम उनको मानते हैं। इन सभी को सुख मिलता है, तब ही मनुष्य सुखी होता है। नहीं तो दुःखी ही रहता है। सब तरह का अनुकूल वातावरण रहते हुए भी कभी-कभी नींद नहीं आती। मन में कोई चिंता नहीं रही तो निश्चिंतता से आदमी पत्थर पर भी सो जाता है, मन में चिंता रहती है तो उसे भोजन सुखदायक नहीं होता। जिसको फांसी की सजा हुई है, उसे कितना भी भोजन खिलाओ तो वह उसके शरीर को लगता नहीं। शरीर, स्वास्थ्य के लिए आदमी को प्रोटींस, विटामिंस कितने चाहिए, इतने मात्र विचार करने से काम नहीं चलेगा। सब तरह का भोजन देने से भी शरीर ठीक नहीं होगा। दो आदमियों को बराबर तौलकर भी भोजन खिलाया तो भी एक का अच्छा स्वास्थ्य और दूसरे का कम अच्छा दिखाई देता है। इससे निर्णय यह होता है कि शरीर का विकास भोजन पर निर्भर नहीं होता, पश्चिम में भी इसका विचार हुआ है। मानसिक रोग चिकित्सा में रोगों को दूर करना है तो मन को ठीक करना चाहिए, उसका स्वास्थ्य देखना चाहिए, ऐसा वे मानते हैं।

मैं, यानी केवल शरीर मात्र नहीं, शरीर से आगे बढ़कर 'मैं' कुछ हूं। शरीर के साथ-साथ मन-बुद्धि सबके अंदर मैं निहित है। मन-बुद्धि आदि दिखाई देते नहीं, फिर भी हम उनको मानते हैं। इन सभी को सुख मिलता है, तब ही मनुष्य सुखी होता है

सामूहिक संबंध

शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समुच्चय यानी व्यक्ति है। 'मैं' में ये सब आते हैं। परंतु 'मैं' इतना ही है क्या? 'मैं' एक हिंदू हूं, हिंदुस्तान का एक प्रतिनिधि हूं, मैं समाज के सुख-दुःख में भागी हूं, समाज के दुःख से मुझे पीड़ा होती है। सुख का संबंध मेरे बंधुओं और आस-पास के लोगों से रहता है। समाज के व्यक्तियों के साथ ऐसा संबंध बढ़ा तो यह भावना बढ़ती है। आकाश के अनेक रंग देखने पर सूर्योदय-सूर्यास्त को देखकर, खिलते हुए गुलाब को देखकर, चिड़ियों का चहचहाना सुनकर और समुद्र के किनारे जाते ही पानी की लहरें देखकर हमें आनंद क्यों होता है? हमारा आनंद वहां तक ही सीमित नहीं। बाह्य जगत् के साथ भी संबंध होता है। कुटुंब के हर व्यक्ति के साथ संबंध होता है। हम सबका एक सामूहिक संबंध है। व्यक्ति की एक प्रकृति होती है। व्यक्ति के मन जैसा समाज का भी मन रहता है, जिसको Mob-Mentality कहते हैं। यह व्यक्ति से अलग रहता है। यह Mob Mentality, समूह भाव अच्छा हो या बुरा, उसमें एक संवेदनशीलता होती है और उसका परिणाम समूह के सभी लोगों पर होता है। संगठन, समाज आदि का यही एक भाव आधारभूत है।

यह समाज केवल व्यक्तियों का समूह ही नहीं। व्यक्तियों के विचारों का और भावनाओं का जोड़ भी समाज नहीं, पाश्चात्यों ने ऐसा व्यक्तियों का समूह और भावना, विचारों का जोड़ भी समाज माना है, लेकिन वे विचार ग़लत हैं। समाज का एक

अलग अस्तित्व है। समाज का एक स्वतंत्र मन और प्रकृति होती है। Group mind और Individual mind की जाने, यानी समाज मन नहीं, वह अलग ही होता है। थोड़े दिनों के पहले पू. गुरुजी और श्री विनोबाजी की भेंट हो गई। विनोबाजी को एक प्रश्न पूछा गया कि हिंदुओं और मुसलमानों में कौन अच्छा है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं और मुसलमानों में अच्छे और बुरे दोनों ही हैं। लेकिन जब मुसलमान सामूहिक रूप से आते हैं तो उनके मन में बुरा विचार आता है। और जब हिंदू सामूहिक रूप से इकट्ठे आते हैं तो उनमें सेवा, तपस्या और विश्व के साक्षात्कार का विचार ही आता है। क्यों, क्योंकि दोनों समाज की प्रकृतियां ही भिन्न हैं। दोनों के ग्रुप माइंड में अंतर है।

व्यक्ति और समाज के संबंध कहीं से उत्पन्न नहीं हुए हैं। समाज एक सजीव सृष्टि है। पेड़, जानवर, मनुष्य जैसे जन्म लेते हैं, वैसे ही समाज का भी जन्म होता है। ये जैसे सजीव हैं, वैसे ही समाज भी सजीव है। समाज के जन्म लेने के बाद उसका भी विकास होता है। मोटर जन्म नहीं लेती, वह कारखाने में बनाई जाती है। समाज का विकास होता है, लेकिन मोटर का विकास नहीं होगा। समाज व्यक्तियों का समूह नहीं, वह organism है। एक ही व्यक्ति पिता, पति, पुत्र, मित्र, व्यापारी, कवि, भक्त, मानव, प्राणी, इन सबमें है।

समस्याएं विकार है

पाश्चात्य देशों में इन सबमें परस्पर विरोध है। विवाहोत्तर पत्नी और मां सास और बहू में झगड़ा प्रारंभ होने के पश्चात् वहां व्यक्ति के सामने किसका पक्ष लेना, ऐसी समस्याएं पैदा होती हैं। ऐसे संघर्षों को हमने जीवन का आधार माना नहीं, ये समस्याएं केवल विकार हैं, संस्कृति नहीं। शरीर में कुछ बिगाड़ होने से ही बीमारी आती है। इसी प्रकार ये संघर्ष हैं। विकार ही जीवन के आधार रूप में रखना योग्य नहीं। व्यक्ति और समाज में निर्माण हुआ विरोध, तो वह खराबी ही है। वह प्रकृति का विरोधी होगा। बच्चा और मां, इन दोनों में प्रेम, आत्मीयता नहीं रहती, यह जैसा अनैसर्गिक है, वैसा ही वह होगा।

अपना आधार संघर्ष नहीं, सहयोग है। संघर्ष दुष्टों के साथ राक्षसों के साथ मात्र। शरीर रोगों के साथ झगड़ता है। अवयवों के साथ संघर्ष नहीं। कुत्तों को एक स्थान पर खाने के लिए छोड़ा, तो झगड़ते हैं। कबूतर, चिड़ियां, इनमें समूह की प्रकृति होती है। ये झगड़ते नहीं। लड़ना ही जीवन का आधार होने से पश्चिम ने कहा Survival of the fittest, लेकिन अपने जीवन में लड़ना या संघर्ष जीवन का आधार न होने से संघर्ष के स्थान पर सहयोग आ गया है। वृक्ष और मनुष्य के जीवन में सहयोग है। जैसे शरीर के अवयवों में पूरकता है। वृक्ष मनुष्यों द्वारा छोड़ा हुआ कार्बन वायु शोषण करते हैं और मनुष्य उपयोगी प्राणवायु (oxygen) को बाहर फेंक देते हैं। मनुष्य की संस्कृति किसमें है? जीवन के लिए सब बातों का उपयोग ठीक ढंग से कर लेने में है। विकार को पूरक बनाना, अनुकूल बनाना, इसमें ही मनुष्य की संस्कृति है। जहर को भी दवा के रूप में उपयोग में लाना, यह प्रकृति की देन है।

लड़ना ही जीवन का आधार होने से पश्चिम ने कहा Survival of the fittest, लेकिन अपने जीवन में लड़ना या संघर्ष जीवन का आधार न होने से संघर्ष के स्थान पर सहयोग आ गया है। वृक्ष और मनुष्य के जीवन में सहयोग है। जैसे शरीर के अवयवों में पूरकता है। वृक्ष मनुष्यों द्वारा छोड़ा हुआ कार्बन वायु शोषण करते हैं और मनुष्य उपयोगी प्राणवायु (oxygen) को बाहर फेंक देते हैं

समग्र विचार

इस प्रकार व्यक्ति की सब आनुषंगिक बातों का संपूर्ण विचार करने का सिद्धांत अपनाना है। पाश्चात्यों ने जीवन के केवल एक पक्ष को देखा है। एक व्यक्ति के स्वार्थ को लेकर हम चले नहीं, हम तो संपूर्णता का विचार करते हैं, जो चीज सामने आई, उसी को लेकर पाश्चात्य चले। इसमें गंभीर समग्र विचार नहीं। एक समय पर जो लागू होता है, वह सब समय में लागू नहीं होता। उनके विचार क्षणिक और तात्कालिक हैं। जैसे एक देहाती अपनी धूप में तपी खुरपी लेकर डॉक्टर के पास गया और कहने लगा कि उसकी खुरपी को बुखार है। डॉक्टर ने खुरपी को देखकर कहा, इसको रस्सी बांधकर बावड़ी में छोड़ दो। पानी में डुबोने से बुखार चला जाएगा। एक दिन उस देहाती की मां को बुखार आ गया, देहाती को वही इलाज याद था। वह डॉक्टर के पास नहीं गया और अपनी रोती-चिल्लाती मां के गले में रस्सी बांधकर बावड़ी में डुबो दिया। ऐसे ही पाश्चात्यों की स्थिति हो गई है। उन देशों में डार्विन, मार्क्स आदि ने जो सिद्धांत बताए, वे सब अर्धसत्य हैं। उन्होंने मनुष्यों के क्षुद्र तथा स्वार्थ भावों को ही उपोषित करने का प्रयास किया है। जिस प्रकार डाकू डाका डालते समय तो संगठित रहते हैं, लेकिन धन बांटते समय आपस में झगड़ते हैं। एक-दूसरे का गला घोंटने का प्रयास स्वार्थ के कारण करने से आधे डाकू या सब के सब नष्ट हो जाते हैं। केवल स्वार्थ का आधार लेकर समाज को संगठित किया तो वैभव की स्थिति प्राप्त होते ही संघर्ष होना संभव है।

कोई कार्य करने के लिए भगवान् ने इस सृष्टि में हर चीज़ निर्माण की है। अपना समाज भी किसी कारण से पैदा हुआ है। इसलिए उस प्रकृति की योजना को समझकर इस पर चलें। परस्पर विरोध करके नहीं, सहकारी बनकर हमें रहना है। शरीर में दो पैर हैं, दोनों के सहकार से शरीर आगे चलता है।

सब सृष्टि में वही बात दिखाई देती है। जिस mission को लेकर हम पैदा हुए हैं, उसको पूरा करने में हम सब सहयोग दें। इसमें संघर्ष नहीं आना चाहिए। पश्चिमी विचार और हमारे विचारों में अंतर है। ■

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग: बंगलौर, १६ मई, 1965

महान विचारक माधव सदाशिव राव गोलवलकर

(19 फ़रवरी, 1906 – 5 जून, 1973)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक और महान विचारक श्री माधव सदाशिव राव गोलवलकर का जन्म 19 फ़रवरी, 1906 को महाराष्ट्र के नागपुर जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री सदाशिव राव उपाख्य 'भाऊजी' तथा माता का श्रीमती लक्ष्मीबाई उपाख्य 'ताई' था। उनका बचपन में नाम माधव रखा गया, पर परिवार में वे मधु के नाम से ही पुकारे जाते थे।

बालक मधु में कुशाग्र बुद्धि, ज्ञान की लालसा, असामान्य स्मरण शक्ति जैसे गुणों का समुच्चय बचपन से ही विकसित हो रहा था। सन् 1919 में उन्होंने 'हाई स्कूल की प्रवेश परीक्षा' में विशेष योग्यता दिखाकर छात्रवृत्ति प्राप्त की। सन् 1922 में 16 वर्ष की आयु में माधव ने मैट्रिक की परीक्षा चांदा (अब चन्द्रपुर) के 'जुबली हाई स्कूल' से उत्तीर्ण की। तत्पश्चात् सन् 1924 में उन्होंने नागपुर से विज्ञान विषय में इण्टरमीडिएट की परीक्षा विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की। अंग्रेजी विषय में उन्हें प्रथम पारितोषिक मिला।

इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद माधवराव के जीवन में एक नये दूरगामी परिणाम वाले अध्याय का प्रारम्भ सन् 1924 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रवेश के साथ हुआ। सन् 1926 में उन्होंने बी.एससी. और सन् 1928 में एम.एससी. की परीक्षायें भी प्राणि शास्त्र विषय में प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण की। उनका विद्यार्थी जीवन अत्यन्त यशस्वी रहा।

इसके पश्चात् बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से उन्हें निदर्शक पद पर सेवा करने का प्रस्ताव मिला। 16 अगस्त, 1931 को श्रीगुरुजी ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग में निदर्शक का पद संभाल लिया। अपने विद्यार्थी जीवन में भी माधव राव अपने

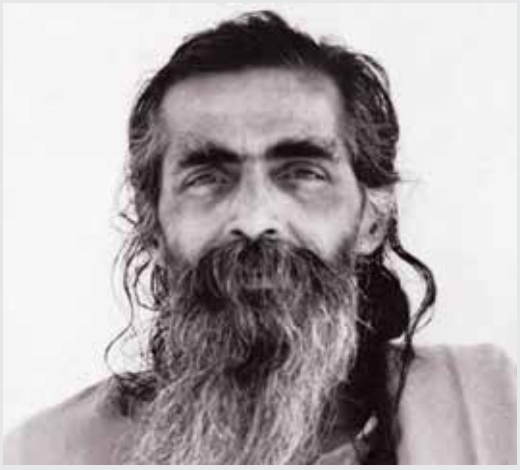

मित्रों को मार्गदर्शन दिया करते थे और अब तो अध्यापन उनकी आजीविका का साधन ही बन गया था। अध्यापक के नाते माधव राव अपनी विलक्षण प्रतिभा और योग्यता से छात्रों में इतने अधिक अत्यन्त लोकप्रिय हो गये कि उनके छात्र उनको 'गुरुजी' के नाम से सम्बोधित करने लगे। इसी नाम से वे आगे चलकर जीवन भर जाने गये।

माधव राव यद्यपि विज्ञान के परास्नातक थे, फिर भी आवश्यकता पड़ने पर अपने छात्रों तथा मित्रों को अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, गणित तथा दर्शन जैसे अन्य विषय भी पढ़ाने को सदैव तत्पर रहते थे। यदि उन्हें पुस्तकालय में पुस्तकें नहीं मिलती थी, तो वे उन्हें खरीदकर और पढ़कर जिज्ञासी छात्रों एवं मित्रों की सहायता करते रहते थे। उनके वेतन का बहुतांश अपने होनहार छात्र–मित्रों की फीस भर देने अथवा उनकी पुस्तकें खरीद देने में ही व्यय हो जाया करता था।

श्रीगुरुजी ने अथक परिश्रम और निरंतर देश भ्रमण से लगभग 33 वर्ष तक इस पद पर रहते हुए संघ को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया और व्यक्ति निर्माण का महती कार्य संपादित किया

गुरुजी का अध्ययन व चिंतन इतना सर्वश्रेष्ठ था कि वे देश भर के युवाओं के लिए ही प्रेरक पुंज नहीं बने, अपितु पूरे राष्ट्र के प्रेरक पुंज व दिशा निर्देशक हो गये। वे युवाओं को ज्ञान प्राप्ति के लिए प्रेरित करते रहते थे। वे विदेशों में ज्ञान प्राप्त करने वाले युवाओं से कहा करते थे कि युवकों को विदेशों में वह ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, जिसका स्वदेश में विकास नहीं हुआ है। ज्ञान प्राप्त कर उन्हें शीघ्र स्वदेश लौट आना चाहिए।

सबसे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के द्वारा काशी हिंदू विश्वविद्यालय भेजे गए नागपुर के स्वयंसेवक भैयाजी दाणी के द्वारा श्री गुरुजी संघ के सम्पर्क में आये और उस शाखा के संघचालक भी बने। 1937 में वह नागपुर वापस आ गए। डॉ. हेडगेवार के सान्निध्य में उन्होंने एक अत्यंत प्रेरणादायक राष्ट्र समर्पित व्यक्तित्व को देखा। 1938 के पश्चात् संघ कार्य को ही उन्होंने अपना जीवन कार्य मान लिया। 1939 में श्री माधव सदाशिव गोलवलकर को संघ का सरकार्यवाह नियुक्त किया गया। 1940 में डॉ. हेडगेवार के देहावसान के बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक का दायित्व संभाला। उन्होंने अथक परिश्रम और निरंतर देश भ्रमण से लगभग 33 वर्ष तक इस पद पर रहते हुए संघ को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया और व्यक्ति निर्माण का महती कार्य संपादित किया। 5 जून, 1973 को श्री माधव सदाशिव गोलवलकर का स्वर्गवास हो गया। ■

राजनीति से परे

शिवप्रकाश
राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री
भाजपा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 8 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। अष्ट पूर्ति के इस वर्ष को भारतीय जनता पार्टी सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण वर्ष के रूप में संपूर्ण देश में मना रही है। सुदूर ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्र में फैले समाज तक मोदी सरकार के संदेश को पहुंचाने के लिए भाजपा के लाखों कार्यकर्ता 15 दिन तक सक्रिय रहेंगे। प्रतिष्ठित नागरिक, किसान, महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक समाज तक अनेक प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से गरीब कल्याण के संदेश को पहुंचाने का यह कार्य संपन्न होगा। देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बड़े प्रकल्पों की जानकारी भी देश के नागरिकों को हो, इसके लिए अनेक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के द्वारा गत 8 वर्षों में देश के उत्थान के लिए अनेक अनुकरणीय पहल हुई है। मोदीजी के हृदय की संवेदना, उनकी सक्रियता, विकास के प्रति उनकी विशिष्ट दृष्टि, समस्याओं का सूक्ष्म अध्ययन, उचित समय पर उचित निर्णय आदि अनेक गुण उनको शेष से कुछ अलग एवं विशेष बनाते हैं। राजनीतिक नेता एवं दल का स्वभाव सामान्यतः एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सोचना, येन-केन प्रकारेण चुनाव जीतने तक रहता है। इसी कारण लोकलुभावन वायदे एवं योजनाएं ही राजनीतिक दल बनाते हैं, लेकिन मोदीजी ने 8 वर्षों में अनेक ऐसे निर्णय लिए हैं जिन्हें आगामी दशकों तक समाज स्मरण करेगा। इन्हीं निर्णयों एवं कार्यों के कारण देश मोदीजी की सरकार को 'वरदान' मानता है।

कोई भी देश तभी आगे बढ़ सकता है जब वहां के सभी नागरिक दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वाह करें। अपने भाग्य का निर्णय कुछ नेताओं और दलों को सौंपकर आलोचक वृत्ति अपनाने से आज तक कोई भी देश दुनिया में आगे नहीं बढ़ा। इसी सिद्धांत का स्मरण पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हमको कराते थे। वे कहते थे कि भारत का नागरिक जब विदेश में जाकर वहां के नियमों का पालन कर सकता है, तब वही नागरिक भारत में आकर अपने हाथ का कचरा सड़क पर क्यों फेंकता है। मोदीजी ने स्वच्छता अभियान के माध्यम से संपूर्ण नागरिकों में इस कर्तव्य भाव को जगाया है। आज संपूर्ण देश में इसकी अनुभूति छोटे बच्चे से लेकर वृद्ध तक में की जा सकती है। हम अपने सार्वजनिक स्थलों में इस परिवर्तन को प्रत्यक्ष देख सकते हैं।

समाज में घटता लिंगानुपात संपूर्ण समाज के लिए एक विकट समस्या उत्पन्न कर सकता है। यह समस्या किसी एक दल की न होकर संपूर्ण समाज की है। इसका अनुभव करते हुए मोदीजी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के माध्यम से इसका समाधान का मार्ग सुझाया। सेल्फी विथ डॉटर, सुकन्या समृद्धि योजना आदि अनेक योजनाओं का परिणाम है कि लिंगानुपात में गुणात्मक परिवर्तन तो आया ही है, साथ ही साथ कन्या भ्रूण हत्या में कमी, शिक्षा, महिलाओं के प्रति सम्मान, बराबरी का अधिकार, निर्णयों में भागीदारी भी बढ़ी है। समाज में महिलाओं के प्रति देखने की दृष्टि में ही परिवर्तन हुआ है। उदाहरण ही देना हो तो मऊ जनपद (उत्तर प्रदेश) में लिंगानुपात 2014-15 694 से बढ़कर 2019-20 में 951 हुआ।

'नमामि गंगे' योजना से केवल गंगा ही

नहीं, संपूर्ण देश की नदियों, जल एवं पर्यावरण के प्रति समाज की दृष्टि में परिवर्तन हुआ है। जल का सीमित उपयोग, जल की एक-एक बूंद का प्रयोग, जलसंधारण आदि सभी के प्रति जागरूकता आयी है। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर हमारे देश की जल की समस्या के समाधान में सहायक होंगे। रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से की हुई खेती से उत्पन्न अन्न हमको बीमार बना रहा है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए जैविक, प्राकृतिक खेती एवं गौ आधारित कृषि का बढ़ावा हमारे लिए अचूक रामबाण उपाय सिद्ध होगा। अर्थ संकल्प में स्वीकृत अब गंगा के किनारे 5 किलोमीटर का गलियारा प्राकृतिक खेती के लिए होगा एवं 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल जैविक खेती से युक्त होगा।

भ्रष्टाचार हमारे देश को दीमक की तरह खा रहा है। मोदीजी का यह संकल्प 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' उनके पारदर्शी, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प का स्मरण कराता है। भ्रष्टाचार रोकने के लिए तकनीक का प्रयोग, ई-बैंकिंग व्यवस्था, डीबीटी स्कीम सहायक बनी है। अब उचित व्यक्ति तक निश्चित धनराशि पहुंच रही है। विकास श्रृंखला में आकांक्षी जिलों का विकास उनकी विकास के प्रति एक अलग दृष्टि को प्रकट करता है।

चिकित्सा क्षेत्र में आयुर्वेद का विकास एक सराहनीय पहल है। कोरोना के अनुभव ने आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित किया है। आयुर्वेद में बजट का बढ़ाना, आयुर्वेद पर शोध एवं आयुर्वेद पर्यटन के माध्यम से विश्व भर में आयुर्वेद को स्थापित किया जा रहा है। आयुर्वेद के साथ ही साथ योग अब विश्व भर में लोकप्रिय विषय बना है। वैश्विक मांग की पूर्ति के लिए प्रशिक्षित योग सेना तैयार करने का प्रयास हो रहा है। 21 जून योग दिवस अब विश्व भर में स्थापित हुआ है। मास्को से माले तक 19 मिशनों एवं वाणिज्य दूतावासों में योग की शिक्षकों की नियुक्ति हुई है।

देशभर में खादी खरीदने के आग्रह के परिणाम स्वरूप खादी की बिक्री बढ़ी है। खादी के माध्यम से स्वदेशी, कुटीर उद्योग एवं रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में लाभ हुआ है। कांग्रेस केवल खादी के नारे ही लगाती रही, मोदीजी ने पुनः देश में खादी को स्थापित कर दिया। 2014 में 66.81 लाख रुपये की बिक्री हुई, वहीं 13 नवंबर, 2020 एक ही दिन में 111.40 लाख रुपये की बिक्री हुई है।

देश में उत्कृष्ट एवं रचनात्मक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए पदम पुरस्कार महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा दिए जाते हैं। कुछ दशकों पूर्व पद्म पुरस्कार का राजनीतिकरण विवाद का विषय बना था। प्रधानमंत्री मोदीजी ने इस प्रक्रिया को बदला। अब पुरस्कार के लिए व्यक्ति की पहचान नहीं, बल्कि उसके कार्य की पहचान आधार बन गया है। अब किसानों, गांव एवं कस्बों में रहने वाले गुमनाम लोग को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा हैं। मैला ढोने वाली अलवर राजस्थान की महिला उषा चौहान पद्म श्री पाकर अपने को गौरवान्वित अनुभव कर रही हैं।

देश में लाल बत्ती के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर वीआईपी होने की मानसिकता पर ही मोदीजी ने प्रहार किया। उनका मानना है कि जिस नियम एवं अनुशासन के पालन की अपेक्षा सभी देश के नागरिकों से है, वही जनप्रतिनिधि को भी पालन करना चाहिए। जनप्रतिनिधि सेवा भाव से ही विचार करें इसका संदेश भी स्वयं मेट्रो ट्रेन मे यात्रा करके मोदीजी ने दिया है। समाज की कसौटी पर खरा उतरना, सदैव जवाब देह रहना जनप्रतिनिधियों को मोदीजी का सतत संदेश है।

परिवारवाद लोकतंत्र के लिए खतरा है। इस कारण परिवारवाद पर प्रहार करते हुए लोकतंत्र को समृद्ध करने के प्रयास हुए है। नई पीढ़ी को समाविष्ट करने के लिए युवाओं को आगे लाना, न्यू इंडिया के मोदीजी के संकल्प को समृद्ध करता है।

'मन की बात' देशभर में सकारात्मक ऊर्जा संचार का माध्यम बनी है अच्छे व्यक्तियों के कार्यों को आगे लाना, सकारात्मक प्रयोगों की चर्चा, उत्सवों का महत्व, महापुरुषों के प्रति श्रद्धा आदि विषय समाज के सामने 'मन की बात' के माध्यम से आए हैं। युवाओं को प्रेरणा देने वाले अनेक प्रयोगों की चर्चा, मन की बात में हुई है। 'एक भारत—श्रेष्ठ भारत' का भाव जगा है। धारा 370 एवं 35-ए हटाकर देश की एकता को सुदृढ़ करने का ऐतिहासिक कार्य हुआ है।

हमारी सनातन संस्कृति का लोक कल्याणकारी स्वरूप विश्व के प्रति हमारा 'वसुधैव कुटुंबकम्' का संदेश अपने भाषणों के माध्यम से सदैव विश्व भर में मोदीजी ने दिया है। अपने श्रद्धा स्थानों को पुनः स्थापित करने के अनेक उदाहरण जैसे श्री राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण, बाबा केदारनाथ का सौन्दर्यकरण जगतगुरु आदि शंकराचार्यजी की प्रतिमा की प्रतिष्ठा का माध्यम मोदीजी बने हैं। सभी मतावलम्बियों के श्रद्धा स्थानों पर जाकर श्रद्धा व्यक्त करने का मोदीजी का प्रयास सांस्कृतिक एकता को स्थापित करता है। विद्वानों का मानना है कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान का जो प्रयास महारानी अहिल्याबाई ने आज से लगभग 300 वर्ष पहले किया था, वही इस सदी में मोदीजी के द्वारा हो रहा है।

8 वर्षों की शासन अवधि में समाज जागरण, देशभक्ति का उद्घोष, विकास की नियोजित दृष्टि, भारत को आगे बढ़ाने की ललक सामान्य नागरिक में मोदीजी ने जगाई है। विश्व भर मे फैले भारतीयों को भारत से जोड़ना एवं विश्व में भारत की प्रतिष्ठा को स्थापित करने का अद्वितीय कार्य मोदीजी के द्वारा हुआ है। सांस्कृतिक जागरण का जो कार्य मोदीजी के द्वारा हुआ है, उसकी अनुगूंज दशकों तक सुनाई देगी

8 वर्षों की शासन अवधि में समाज जागरण, देशभक्ति का उद्घोष, विकास की नियोजित दृष्टि, भारत को आगे बढ़ाने की ललक सामान्य नागरिक में मोदीजी ने जगाई है। विश्व भर मे फैले भारतीयों को भारत से जोड़ना एवं विश्व में भारत की प्रतिष्ठा को स्थापित करने का अद्वितीय कार्य मोदीजी के द्वारा हुआ है। सांस्कृतिक जागरण का जो कार्य मोदीजी के द्वारा हुआ है, उसकी अनुगूंज दशकों तक सुनाई देगी। ■

मोदी सरकार के आठ साल विश्वगुरु बनता भारत

रघुवर दास
भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं
झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री

हम भारतवासी सौभाग्यशाली हैं कि हमें दुनिया के सबसे लोकप्रिय और जनप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त हुआ है, जिसके कारण आज दुनिया में भारत को मान-सम्मान और गौरव प्राप्त हुआ है।

सशक्त, निडर और राष्ट्रभक्ति के प्रेरक नेतृत्व में कोई देश महान कैसे बनता है और दुनिया कैसे उस प्रेरक नेतृत्व को सराहती है, इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं। नरेन्द्र मोदीजी के महान व्यक्तित्व और भारत को दुनिया के सामने एक महान देश के रूप में प्रस्तुत करने की वीरता व भागीरथी प्रयास की विवेचना से पूर्व इतिहास की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं की विवेचना भी आवश्यक है। प्रसंग इंदिरा गांधी से जुड़ा हुआ है। इंदिरा गांधी 1971 में अमेरिका गयी थीं और अमेरिका से वह मदद चाहती थीं। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन ने एक लॉन में 45 मिनट तक उन्हें इंतजार कराया था। भारत के पूर्व विदेश सचिव और पद्मभूषण महाराजा कृष्ण रसगोत्रा इस अपमानजनक घटना के साक्षी थे। रसगोत्रा ने अपनी आत्मकथा में इस घटना का जिक्र करते हुए लिखा है कि भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री के साथ इस तरह की कूटनीतिक अपमान की घटना अमेरिकी अहंकार की प्रतीक थी। दूसरा उदाहरण जवाहरलाल नेहरू के साथ जुड़ा हुआ है। चीन युद्ध के दौरान। नेहरू ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति से सहायता मांगी थी। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ने कोई जवाब नहीं दिया था। तीसरा उदाहरण लालबहादुर शास्त्री के साथ जुड़ा है। 1965 के युद्ध में भारत ने महत्वपूर्ण चोटियों पर कब्जा किया था और पाकिस्तान की अपमानजनक पराजय हुई थी। उस समय जो हुआ वह पूरा देश जानता है। उपर्युक्त सभी उदाहरणों के पीछे कारण था कि उस समय भारत सशक्त नहीं था। भारत एक तरह से दूसरे देशों की सहायता और सुरक्षा पर निर्भर रहने की मानसिकता में बंधा था।

सशक्त, निडर और राष्ट्रभक्ति के प्रेरक नेतृत्व में कोई देश महान कैसे बनता है और दुनिया कैसे उस प्रेरक नेतृत्व को सराहती है, इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं। नरेन्द्र मोदीजी के महान व्यक्तित्व और भारत को दुनिया के सामने एक महान देश के रूप में प्रस्तुत करने की वीरता व भागीरथी प्रयास की विवेचना से पूर्व इतिहास की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं की विवेचना भी आवश्यक है

आज दुनिया की महाशक्ति अमेरिका हो या फिर रूस, चीन हो या फिर यूरोपीय यूनियन के देश, आज कोई भी भारत की अनदेखी नहीं कर पा रहे। हम संयुक्त राष्ट्रसंघ ही नहीं, बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय नियामकों व संस्थाओं में अपने हितों की रक्षा करने में सफल हैं। इसका एक उदाहरण धारा 370 है। धारा 370 की समाप्ति हमारा सबसे बड़ा एजेंडा था। मोदीजी ने देशभक्ति की शक्ति से धारा 370 को समाप्त करने की दृढ़ राजनैतिक इच्छाशक्ति दिखायी। इसके उपरांत पाकिस्तान और चीन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किस तरह की पैंतरेबाजी की और भारत को झुकाने की कोशिश की, यह भी सबने देखा। पाकिस्तान के साथ वीटोधारी देश चीन खड़ा था। चीन के सहयोग और समर्थन से पाकिस्तान ने बार-बार संयुक्त राष्ट्रसंघ में धारा 370 हटाने के खिलाफ प्रस्ताव लाने का काम किया, पर पाकिस्तान को बार-बार असफलता हाथ लगी। मोदीजी ने अंतरराष्ट्रीय जगत को दृढ़ता और विश्वास के साथ समझा दिया कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हम अपने देश में अपनी इच्छा के अनुसार कोई भी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

अभी-अभी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के तीन दिवसीय यूरोप के दौरे में जिस तरह से भारत का डंका बजा है, जिस तरह से यूरोप में मोदीजी का गुणगान हुआ है उससे हर देशवासियों का सिर ऊंचा हुआ है। यूरोप और अमेरिका के लोग कभी भारत को सांप-संपेरे का देश समझते थे और हम अमेरिका-यूरोप के प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों की आगवानी करने के लिए लालायित रहते थे। पर यूरोपीय दौरे के दौरान जिस तरह से मोदीजी को सम्मान मिला और जिस तरह से यूरोपीय देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने मोदीजी के स्वागत किया, उससे साफ हो जाता है कि अब यूरोप के लिए भारत की आर्थिक, सांस्कृतिक और कूटनीतिक शक्ति अनुकरणीय है। फ्रांस और जर्मनी के साथ महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। फ्रांस से हम राफेल लड़ाकू विमान खरीद चुके हैं। जबकि जर्मनी से मजबूत रिश्ते से हमें यूरोपीय यूनियन से टकराव के

मुद्दों को हल करने में मदद मिलेगी।

सबसे बड़ी उपलब्धि नार्डिक देशों से मजबूत रिश्ते को लेकर मिली है। मोदीजी का दौरा सिर्फ डेनमार्क तक ही सीमित था। लेकिन अन्य नार्डिक देशों के शासनाध्यक्षों की भी इच्छा मोदीजी से मिलने की हुई। उन्होंने मोदीजी को अपने यहां आने का निमंत्रण दिया था। पर मोदीजी ने यात्रा की निर्धारित व्यस्तता के कारण अपनी असमर्थता प्रकट की थी। फिर नार्डिक देश फिनलैंड, आइसलैंड और नार्वे के शासनाध्यक्ष खुद डेनमार्क पहुंच गये और मोदीजी से मुलाकात की। डेनमार्क में ही भारत और नार्डिक विकास शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इन देशों से भारत का व्यापार करीब 15 अरब डॉलर का है, भारत और नार्डिक देश इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं। नार्डिक देशों ने ग्रीन एनर्जी में काफी निवेश किया है। भारत भी ग्रीन एनर्जी की सफलता को अपनाना चाहता है।

'वसुधैव कुटुंबकम' में विश्वास रखने के कारण कोरोना काल में भारत ने दुनिया को वैक्सीन देकर यह दिखा दिया कि भारत किसी भी संकट के दौर में दुनिया को न केवल मदद करने की शक्ति रखता है, बल्कि भारत एक मददगार के तौर पर भी खड़ा रहेगा। अगर भारत ने वैक्सीन नहीं दी होती, तो फिर दुनिया के कई छोटे-छोटे देश कोरोना की लड़ाई नहीं लड़ पाते। कोरोना के दौरान मोदीजी ने अपने नागरिकों की आर्थिक सहायता और भोजन की व्यवस्था कर महान कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्रसंघ ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था का अनुमोदन किया है।

कुछ कर्तव्य नागरिकों का भी होता है। अच्छे शासन और अच्छे शासक का हमेशा सहयोग और समर्थन किया जाना चाहिए। हमारे देश में नकारात्मक लोग अफवाह फैलाने और अच्छे शासन-शासक की छवि खराब करने की कोशिश करते हैं। हमें विखंडनकारी सोच वाले व्यक्तियों और पार्टियों से हमेशा सावधान रहना होगा। मोदीजी के निरंतर समर्थन से ही भारत फिर से महान बनेगा और दुनिया का सिरमौर बनेगा। ■

सेमिनार

'आज भाजपा को छोड़कर लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां परिवारवाद और वंशवाद की समस्या से ग्रस्त हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 19 मई, 2022 को नई दिल्ली स्थित नेहरू ऑडिटोरियम में 'वंशवादी राजनीतिक दलों से लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को खतरा' विषय पर रामभाऊ म्हाल्गी प्रबोधिनी के तत्वावधान में आयोजित सेमिनार को संबोधित किया और इसे समसामयिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि परिवारवाद पर आधारित कांग्रेस और क्षेत्रीय पार्टियों का मुख्य उद्देश्य येन-केन प्रकारेण, सत्ता प्राप्त करना है और परिवारहित में सत्ता का दुरुपयोग करना है। उन्होंने कहा कि विचारधाराविहीन पार्टियों से भारतीय जनता पार्टी को कोई नुकसान नहीं है, लेकिन 'वंशवादी राजनीतिक दलों' से देश के लोकतंत्र को खतरा है क्योंकि हमारा देश सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस पार्टी में परिवार के अंदर ही अध्यक्ष पद के लिए चल रहे खींचतान पर तंज कसते हुए श्री नड्डा ने कहा कि इस प्रकार की पार्टी में लंबे समय से एक ही आदमी अध्यक्ष बना रहता है। वंशवादी पार्टी में परिवारहित प्राथमिक होता है। वहां पर पार्टी का आतंरिक चुनाव भी फर्जी और एक तरह से महज दिखावा होता है। यदि परिवार के पक्ष में चुनाव है तो चुनाव करा लेंगे और नहीं है तो नहीं कराएंगे। ऐसी पार्टियां लोकतंत्र में अलोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी के रूप में काम करती हैं।

कांग्रेस सहित देश के अधिकांश क्षेत्रीय पार्टियों में परिवारवाद के वर्चस्व पर चिंता जाहिर करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आज भाजपा को छोड़कर लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां परिवारवाद और वंशवाद की समस्या से ग्रस्त हैं। तमिलनाडु से लेकर बिहार और पश्चिम बंगाल से

लेकर महाराष्ट्र तक लगभग सभी राजनीतिक दल वंशवाद आधारित दल के रूप में काम कर रहे हैं। वहां न तो विधायकों की भूमिका है, न सांसदों की और न ही किसी मंत्रियों की। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, पंजाब में शिरोमणि अकाली दल, बिहार में आरजेडी, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी, जम्मू-कश्मीर में पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस, तमिलनाडु में डीएमके, तेलंगाना में टीआरएस, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर, झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा— इन पार्टियों का कोई लक्ष्य नहीं है।

लोकतंत्र पर मंडराते खतरे की ओर ध्यान दिलाते हुए श्री नड्डा ने कहा कि इन पार्टियों के बारे विस्तार से बताने के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि 18 करोड़ सदस्यों वाली भाजपा किस तरह की पार्टियों से लड़ रही है। भाजपा आज वंशवाद पर चलने वाली पार्टियों से लड़ रही है जिसके पास न तो विकास का विजन है और न ही कोई नीति। भाजपा इस अवधारणा पर चलती है कि केंद्र मजबूत होना चाहिए, लेकिन क्षेत्रीय आकांक्षाओं को भी समुचित जगह मिलनी चाहिए और राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति में उनका समावेश होना चाहिए। ■

ग्लोबल स्लो डाउन के बावजूद और देशों से भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है

-विकास आनन्द

यूक्रेन संकट और कोरोना महामारी के कारण मंद वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग ने 2022 में वैश्विक आर्थिक विकास के लिए एक रिपोर्ट जारी करके देशों के अर्थव्यस्थाओं पूर्वानुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन संकट ने महामारी से त्रस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था को और हानि पहुचाई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था का 2022 में औसतन 3.1 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। वहीं, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.4 प्रतिशत दर से बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने 2022 में भारत की विकास दर जनवरी में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

यूक्रेन संकट के कारण इसमें 0.3 प्रतिशत की कमी की गई है। भारत ने पिछले साल 8.8 प्रतिशत की दर से प्रदर्शन किया था। वैश्विक स्तर पर तमाम बाधाओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और यूरोपीय संघ जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। संशोधित रिपोर्ट के अनुसार 2022 में संयुक्त राज्य की अर्थव्यवस्था के 2.6 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, चीन के 4.5 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, यूरोपीय संघ के 2.7 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, और यूनाइटेड किंगडम और उत्तरी आयरलैंड 3.2 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार विश्व अर्थव्यवस्था लगातार मुद्रास्फीति के दबाव का सामना कर रही है। 2022 में वैश्विक मुद्रास्फीति के बढ़कर 6.7 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो पिछले एक दशक के दौरान 2.9 प्रतिशत के औसत से दोगुना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में हेडलाइन मुद्रास्फीति चार दशकों में उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। पश्चिमी एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन और सीआईएस देशों के कई देशों में मुद्रास्फीति लगातार बढ़ रही है। 41 साल के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका में मुद्रास्फीति 8.4% तक पहुंच गई है। यह दिसंबर, 1981 के बाद सबसे अधिक है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के परिणामस्वरूप बढ़ती गैस की कीमतें संयुक्त राज्य की उच्च मुद्रास्फीति दर का प्राथमिक कारण रही हैं। उच्च गैस की कीमतों ने माल की परिवहन लागत में वृद्धि की है, जिससे मुद्रास्फीति की दर बढ़ गई है। यूनाइटेड किंगडम भी इसी मुद्दे से निपट रहा है। यूनाइटेड किंगडम में मुद्रास्फीति भी 8.4 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो चार दशकों में उच्चतम स्तर है। यह जी-7 देशों में सबसे ज्यादा है। ब्रिटेन में मुद्रास्फीति उन्हीं कारकों के कारण है— बढ़ती गैस और पेट्रोल-डीजल की कीमतें। भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका आजादी के बाद से अपने सबसे खराब आर्थिक संकटों में से एक का सामना कर रहा है। महामारी से प्रभावित श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था को 30 प्रतिशत मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कुछ महीनों में 40 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (2022)	
भारत	6.4
चीन	4.5
ब्रिटेन	3.2
जापान	2.7
यूरोपीय संघ	2.7
अमरीका	2.6

वैश्विक परिदृश्य के संबंध में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति खाद्य असुरक्षा को बढ़ा दी है और कई विकासशील देशों में लाखों लोगों को गरीबी रेखा से नीचे धकेल दी है जो अभी भी महामारी से आई आर्थिक गिरावट से जूझ रहे हैं। बढ़ती गरीबी अनिवार्य रूप से अल्पावधि के लिए, देशों के भीतर और देशों के बीच असमानता को और बढ़ा देगी। दूसरी ओर, भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) जैसे चल रहे कार्यक्रमों के माध्यम से अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन किया गया है। इस साल अप्रैल में जारी 'महामारी, गरीबी और असमानताः भारत से साक्ष्य' शीर्षक से आईएमएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'पीएमजीकेवाई के कारण 2020 में अत्यधिक गरीबी 1 प्रतिशत से नीचे रही है।'

धुंधली वैश्विक आर्थिक तस्वीर के बीच मोदी सरकार ने अपने बेहतर मौद्रिक और राजकोषीय उपायों के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास पथ को बनाए रखा है। ■

'देश का सबसे बड़ा कैंसर सेंटर हरियाणा में स्थापित हुआ है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 9 मई, 2022 को अंबाला में लगभग 72 करोड़ रुपये की राशि से बने 'अटल कैंसर केयर सेंटर' का शुभारंभ किया। इससे पहले श्री नड्डा आज एक आम यात्री के रूप में शताब्दी एक्सप्रेस में यात्रियों के बीच सफर कर अंबाला पहुंचे। 2 हजार से अधिक बाइक के काफिले के साथ-साथ रेलवे स्टेशन से आयोजन स्थल तक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पर फूलों से वर्षा कर उनका अभूतपूर्व स्वागत किया गया।

श्री नड्डा ने कहा कि आज अंबाला में अटल कैंसर केयर सेंटर का उद्घाटन हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार की हरियाणा के विकास पर विशेष नजर रही है। लगभग 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बना 710 वाले बेड का देश का सबसे बड़ा कैंसर सेंटर हरियाणा के ही झज्जर में स्थापित हुआ है। अब हमारी सरकार 30 वर्ष की उम्र वाले लोगों की भी पॉपुलेशन बेस्ड स्क्रीनिंग कर रही है, ताकि पहले ही स्टेज में कैंसर की बीमारी का पता लगाया जा सके। हरियाणा की भाजपा सरकार ने कैंसर रोगियों को प्रति माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही, रोगियों को आवागमन में सहूलियत देने के उद्देश्य से बस में फ्री यात्रा की भी सुविधा देने की शुरुआत हुई है जो एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 1.50 लाख हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बनाए जा रहे हैं। 2018 में छत्तीसगढ़ के बीजापुर से इसकी शुरुआत हुई थी। आज देश में लगभग 1.18 हेल्थ एडं वेलनेस सेंटर बन चुके हैं। हरियाणा में भी अब तक 1,148 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बन चुके हैं और काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमृत (AMRIT - Affordable Medicines and Reliable Implants for Treatment) के तहत देश में स्वास्थ्य के लिए एक बहुत बड़ा कार्यक्रम चल रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार की हरियाणा के विकास पर विशेष नजर रही है

चाहे कोई उपकरण लेना हो या शरीर में कोई मशीन इम्प्लांट करना हो, तो भारत सरकार ने इन उपकरणों पर 50 प्रतिशत कम कीमत पर देने की व्यवस्था की है। ऐसे 225 सेंटर देश भर में है। हरियाणा में भी अमृत के तहत 5 सेंटर चल रहे हैं। यह कार्यक्रम 2015 से शुरू हुआ है और अभी तक लगभग 2.93 करोड़ मरीजों ने इसका लाभ उठाया है। अमृत योजना के तहत मरीजों को 4,512 करोड़ रुपये की दवाई 2,324 करोड़ रुपये में उपलब्ध कराई गई है। इससे स्पष्ट होता है कि देश भर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कितना बड़ा परिवर्तन आया है।

श्री नड्डा ने कहा कि देश में जब तक श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी की सरकार नहीं आई, तब तक देश में केवल एक ही ऑल इंडिया मेडिकल साइंस (एम्स) था। श्रद्धेय अटल जी की सरकार में देश में 6 एम्स बने। कांग्रेस की यूपीए सरकार के 10 वर्षों में कोई एम्स नहीं बन पाया। जब केंद्र में पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई और श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो देश में पुनः अच्छी स्वास्थ्य सुविधा के लिए एम्स का निर्माण शुरू हुआ। आज देश में 16 और एम्स बने हैं और कई बन रहे हैं। एक एम्स हरियाणा के लिए भी मंजूर किया गया है। मनेठी में एम्स के लिए भूमि उपलब्ध हो गई है और जल्द ही प्रधानमंत्रीजी एम्स का शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में बेहतरीन कोरोना प्रबंधन की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि पहले किसी भी बीमारी का टीका देश में आने में वर्षों लग जाते थे, लेकिन इस बार 9 महीने से भी कम समय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देश में दो-दो स्वदेशी वैक्सीन डेवलप हुए। इतना ही नहीं, हमने दुनिया के 100 देशों को कोविड वैक्सीन उपलब्ध भी कराया। आज भारत लेने वाले के रूप में नहीं, बल्कि देने वाले राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है।

इस कार्यक्रम को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश धनखड़ ने भी संबोधित किया। ■

'यदि हमारा बूथ मजबूत है तो चुनाव में कोई भी आयेगा तो उसे हराने में हम सफल होंगे'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 मई, 2022 को एम्बियेंस पैलेस, अनूपगढ़ रोड (सूरतगढ़, श्रीगंगानगर) में बीकानेर संभाग के सभी जिलों (गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चुरू) के बूथ अध्यक्ष संकल्प सम्मेलन को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ-साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सतीश पुनिया, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान के प्रभारी श्री अरुण सिंह, केन्द्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री श्री कैलाश चौधरी, सह-प्रभारी श्रीमती भारती शियाल, राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष श्री राजेंद्र राठौड़, राजस्थान के संगठन महामंत्री श्री चन्द्रशेखर और गंगानगर से भाजपा सांसद श्री निहाल चंद सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में बीकानेर संभाग के पांच जिलों से आये लगभग 10,000 बूथ अध्यक्ष उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि बूथ वह रचना है जो सत्ता का उद्गम स्थल होता है। संगठन को जो भी ताकत मिलती है, वह बूथ से ही मिलती है। भारतीय जनता पार्टी के लिए ध्येय वाक्य है— हमारा बूथ, सबसे मजबूत। राजस्थान में लगभग 52,000 बूथ हैं। बीकानेर संभाग में लगभग 5,925 बूथ हैं। एक बूथ अध्यक्ष के पास लगभग 1,000 वोटों की रक्षा की जिम्मेदारी होती है। यदि हमारा बूथ मजबूत है तो चुनाव में कोई भी आयेगा तो उसे हराने में हम सफल होंगे और साथ ही, पार्टी की विचारधारा को और मजबूती देने मे भी सफल होंगे।

मैं इस बूथ अध्यक्ष संकल्प सम्मेलन के माध्यम से पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहना चाहता हूं कि आप सब एकजुट होकर प्रदेश में हर बूथ को मजबूत बूथ बनाएं, हर बूथ पर कमल खिलाएं और राजस्थान को विकास के मार्ग पर पुनः प्रशस्त करें

श्री नड्डा ने कहा कि राजस्थान में हमारी वसुंधरा राजे सिंधियाजी की सरकार ने भामाशाह योजना शुरू की थी जो गरीबों के लिए वरदान बनकर आई। कांग्रेस की सरकार ने बस भामाशाह योजना का नाम बदल दिया। कांग्रेस की गहलोत सरकार केवल और केवल साइनबोर्ड बदलती है, करती कुछ भी नहीं। कांग्रेस की गहलोत सरकार के मंत्रियों के भाषण में कभी भी लोगों की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की बात नहीं होती। कांग्रेस की सरकार के मंत्री चर्चा केवल दंगों की करेंगे, जाति-संप्रदायवाद और समाज को बांटने की चर्चा करेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी के नेता हर वक्त 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की चर्चा करते हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि आजकल आये दिन राजस्थान के बारे में नकारात्मक ख़बरें आती रहती हैं जो अच्छी नहीं लगती। अखबार खोलो तो कभी करौली, कभी जोधपुर, कभी जयपुर तो कभी राजस्थान के किसी और शहर की ख़बरें सामने आती है। जयपुर में जिस दिन राजस्थान की जनता सड़कों पर उतरी थी, उस दिन अशोक गहलोत अपना जन्मदिन मना रहे थे। यह तो वही स्थिति हो गई कि जब रोम जल रहा था, तब नीरो बांसुरी बजा रहा था। कांग्रेस की सरकार गलती करती है और इसका ठीकरा भाजपा पर फोड़ने की साजिश करती है। सूरज क्यों निकला तो आरएसएस से पूछो। सूरज क्यों डूबा तो भाजपा से पूछो। क्या अशोक गहलोत का काम नहीं था कि जोधपुर जाएं। जोधपुर तो उनका गृह जिला है। वहां संप्रदायों में झगड़ा हुआ, इसमें आपको जाना चाहिए था, लेकिन आप नहीं गए। यही बताता है कि आपको राजस्थान की जनता की कितनी चिंता है!

उन्होंने कहा कि नेशनल क्राइम ब्यूरो के रिकॉर्ड के अनुसार 2019-20 में महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न के मामले में राजस्थान सबसे अव्वल था। अनुसूचित जनजाति के खिलाफ उत्पीड़न एवं अपराध के मामले में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर खड़ा है। दलितों के ऊपर अत्याचार के मामले में राजस्थान देश में तीसरे नंबर पर काबिज है। देश में कुल बलात्कार के मामले का लगभग 22 प्रतिशत मामला अकेले राजस्थान से आता है। राजस्थान को ऐसे रिकॉर्ड रखने हैं क्या? राजस्थान शांति, विकास, संस्कृति और समृद्धि के लिए जाना जाता था। राजस्थान के लोग विकास और शांति चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस की गहलोत सरकार राजस्थान को दंगा, अपराध और भ्रष्टाचार के दलदल की ओर धकेलना चाहती है। ऐसी निकम्मी सरकार को राजस्थान की सत्ता में बने रहने का कोई हक़ नहीं है। मैं इस बूथ अध्यक्ष संकल्प सम्मेलन के माध्यम से पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहना चाहता हूं कि आप सब एकजुट होकर प्रदेश में हर बूथ को मजबूत बूथ बनाएं, हर बूथ पर कमल खिलाएं और राजस्थान को विकास के मार्ग पर पुनः प्रशस्त करें। ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के हित को आगे बढ़ाने का काम किया है: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने 11 मई को नई दिल्ली में 'मोदी @20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। यह पुस्तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गवर्नेंस में 20 साल पर अनेक प्रख्यात बुद्धिजीवियों और विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा लिखे गए अध्यायों का संकलन है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भी इस पुस्तक में एक अध्याय लिखा है।

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने अपने संबोधन में श्री मोदी के मस्तिष्क, तरीकों और सोच के बारे बताया। उन्होंने आगे उन विभिन्न विशेषताओं को सूचीबद्ध किया, जिन सबने मिलकर श्री मोदी को एक ऐसे अद्वितीय नेता और पथ-प्रदर्शक बनाया, जिन्होंने पहले गुजरात और अब प्रधानमंत्री के रूप में भारत के हित को आगे बढ़ाने का काम किया है।

श्री नायडू ने प्रधानमंत्री की सफलता को रेखांकित करने वाली विशेषताओं का उल्लेख करने के साथ इन्हें सूचीबद्ध किया: 1. व्यापक यात्राओं व सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यों के जरिए खुद, जनता और देश की खोज में 17 वर्ष की अल्पायु में घर छोड़ने के बाद श्री मोदी की शुरुआती अनुभवात्मक यात्रा; 2. भारतीयों व भारत के संघर्षों और उनकी क्षमता की गहरी समझ; 3. व्यक्तियों और भारत की क्षमता में अडिग विश्वास; 4. बड़ा सपना देखने का साहस और संकल्प को सिद्धि में बदलने का दृढ़ता; 5. बड़ा सोचना और बड़े पैमाने पर कार्रवाई करना; 6. साहसिक निर्णय लेने की क्षमता; 7. अस्थायी विफलताओं व प्रासंगिक आश्चर्यों से विचलित नहीं होना; 8. जोश, ऊर्जा और कड़ी मेहनत; 9. अलग तरह से सोचना और कार्रवाई करना; 10. आपदा को अवसर में बदलना; 11. लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नीति निर्माण और निष्पादन के लिए नीचे से ऊपर की ओर दृष्टिकोण अपनाना; 12. मुद्दों और परिणामों के विवरण व व्यापक मूल्यांकन के लिए खोज; 13. राष्ट्रीय स्तर पर नीतियों और कार्यक्रमों के साक्ष्य आधारित निर्माण के लिए गुजरात में किए गए प्रयोगों के अनुभवों और परिणामों को नियोजित करना; 14. प्रभावी शासन के लिए प्रौद्योगिकी को व्यापक रूप से अपनाना और 15. 'प्रदर्शन, सुधार और परिवर्तन' के मंत्र का उत्साहपूर्वक प्रचार।

श्री नायडू ने कहा कि श्री मोदी की सोच को गुजरात के मुख्यमंत्री बनने से पहले उनकी कई वर्षों की लंबी अनुभवात्मक यात्रा ने आकार दिया है। उपराष्ट्रपति ने आगे जोर देकर कहा कि यह मूलभूत अंतर है, जो श्री मोदी को कई मायनों में अद्वितीय बनाता है। समकालीन दौर में शायद कोई अन्य सार्वजनिक हस्ती नहीं हैं, जिन्होंने इस तरह की अनुभवात्मक यात्रा की हो। उन्होंने आगे कहा कि देश के लिए प्रधानमंत्री की सोच पहले एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में और बाद में एक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान संचित कई अनुभवों की अभिव्यक्ति और घोषणा है।

आज पूरा विश्व मोदीजी का नेतृत्व स्वीकार करता है: अमित शाह

विमोचन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि मोदीजी के 20 साल 'हेड ऑफ द् गवर्नमेंट' रहने के नाते भारत और गुजरात में जिस तरह से परिवर्तन आया है उसे सभी ने देखा है, परंतु राजनीति शास्त्र के विद्यार्थी के नाते मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि इससे पीछे के समय में जाने की जरूरत है। अगर हम मोदीजी के 20 साल 'हेड ऑफ द् गवर्नमेंट' के अनुभव से पहले के 30 साल का अध्ययन नहीं करते तो वह अधूरा रह जाएगा।

उन्होंने कहा कि पांच दशक के सार्वजनिक जीवन में बिल्कुल गरीबी से उठकर देश के प्रधानमंत्री बनने, एक छोटे से कार्यकर्ता से लेकर सभी पॉलिटिकल पार्टियों में सबसे लोकप्रिय नेतृत्व बनने और आज पूरा विश्व जिसका नेतृत्व स्वीकार करता है। भारत के ऐसे प्रधानमंत्री बनने तक के सफर को जानने के लिए हमें 30 साल पीछे जरूर जाना चाहिए। मोदीजी के पहले तीन दशक संगठन के अंदर गुजरे। मैंने मोदीजी को संगठन के कार्यकर्ता के नाते छोटे से छोटे गांव में कभी बस, कभी मोटरसाइकिल और कभी ऑटो में बैठकर गरीब से गरीब के घर में इतनी ही सहजता से खाना खाते देखा है। ■

'भाजपा को जानें' अभियान

'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और अंत्योदय भाजपा के वैचारिक आधार हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 मई, 2022 को 'भाजपा को जानें' अभियान के द्वितीय चरण में नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में दुनिया के 14 देशों के राजनयिकों के साथ संवाद किया और उन्हें भाजपा के इतिहास के साथ-साथ पार्टी संगठन की विशेषताओं एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जारी भाजपा की नीति एवं रीति के बारे में विस्तार से अवगत कराया। 'भाजपा को जानें' के दूसरे चरण में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भूटान, इंडोनेशिया, इजरायल, श्रीलंका, फिजी, सूरीनाम, डेनमार्क, केन्या, न्यूजीलैंड, फिलीपींस और डोमिनिका रिपब्लिक के राजनयिक उपस्थित थे। इस संवाद कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती डी.के. अरुणा, राष्ट्रीय महामंत्री व केंद्रीय कार्यालय प्रभारी श्री अरुण सिंह, विदेश विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद सैयद जफ़र इस्लाम भी उपस्थित थे। इससे पहले भाजपा के 42वें स्थापना दिवस पर 06 अप्रैल, 2022 को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यूरोपियन यूनियन सहित दुनिया के 13 देशों के राजनयिकों के साथ संवाद किया था।

अधिकांश राजनयिकों ने श्री नड्डा से देशों के बीच जन-संपर्क, सांस्कृतिक मेलजोल, साहित्य के आदान-प्रदान और अपने-अपने देशों की राजनीतिक पार्टियों के बीच संपर्क तथा विचार विनिमय को लेकर राय रखी। श्री नड्डा ने इन सुझावों पर अमल करने की सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि निकट भविष्य में ही इस तरह के कार्यक्रमों की रचना की जायेगी। कार्यक्रम का संचालन पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पार्टी के केंद्रीय कार्यालय प्रभारी श्री अरुण सिंह ने सभी राजनयिकों का भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ इस संवाद कार्यक्रम में स्वागत किया। इसके पश्चात् भाजपा के इतिहास और विकास की यात्रा को दिखाती एक वृत्त-चित्र दिखाई गई, जिसकी सभी राजनयिकों ने सराहना की। इसके बाद श्री नड्डा ने पार्टी के इतिहास, भाजपा की विकास यात्रा, पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत 8 वर्षों से जारी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' से अतिथि राजनयिकों का परिचय कराया। अपने उद्बोधन के पश्चात् श्री नड्डा ने एक-एक करके सभी राजनयिकों के प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया।

विदेशों में रह रहे भारतीयों को देश के लिए उपलब्धि बताते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में रह रहे लगभग 3 करोड़ भारतवासियों से जिस तरह संपर्क स्थापित किया है और उन्हें प्रोत्साहित किया है, वह अतुलनीय है।

श्री नड्डा ने कहा कि जाति, वर्ग, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर समाज के हर वर्ग का सर्वस्पर्शी और सर्व-समावेशी विकास ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का एकमात्र ध्येय रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार का हर पल और हर क्षण देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, आदिवासी, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के कल्याण हेतु समर्पित रहा है और हमारी सभी योजनाएं इन्हीं के जीवन-उत्थान को केंद्र में रखकर बनाई गई हैं।

भारतीय जनता पार्टी की संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था है। भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें मंडल अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक हर तीन साल पर तय चुनाव के जरिये चुने जाते हैं। आज भाजपा 18 करोड़ से अधिक प्राथमिक सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है

श्री नड्डा ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और अंत्योदय को भाजपा का वैचारिक आधार बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था है। भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें मंडल अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक हर तीन साल पर तय चुनाव के जरिये चुने जाते हैं। आज भाजपा 18 करोड़ से अधिक प्राथमिक सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। आज लोकसभा एवं राज्यसभा को मिलाकर हमारे 400 से अधिक सांसद हैं, 1350 से अधिक विधायक हैं और पंचायत से लेकर जिला-परिषद् तक हजारों स्थानीय जन-प्रतिनिधि हैं। भाजपा में युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा आदि मोर्चाओं के माध्यम से जन-जन तक संपर्क साधा जाता है। पार्टी को सुदृढ़ करने में सहयोग हेतु गुड गंवर्नेंस, पॉलिसी रिसर्च, मीडिया विभाग, प्रशिक्षण विभाग और विदेश विभाग सहित 18 विभाग भी हैं।

यूक्रेन संकट की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'ऑपरेशन गंगा' के तहत युद्धग्रस्त यूक्रेन से लगभग 23,000 भारतीय छात्रों की सकुशल वतन वापसी हुई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने छात्रों के परिवार से तीन-तीन बार संपर्क साधा एवं उनकी हौसला-अफजाई की। ■

यह भारत की खेलों में मिली बेहतरीन जीत है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 मई को थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम से फोन पर बातचीत की। श्री मोदी ने टीम को बधाई दी और कहा कि खेल विश्लेषकों को इसे भारत की खेलों में मिली बेहतरीन जीत कहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की बेहद खुशी है कि टीम एक भी राउंड नहीं हारी।

उल्लेखनीय है कि भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने बैंकॉक में फाइनल में 14 बार चैंपियन रह चुकी इंडोनेशिया के विरुद्ध शानदार 3-0 से प्रतिष्ठित थॉमस कप जीत कर पहली बार इतिहास रचा।

श्री मोदी ने खिलाड़ियों से पूछा कि किस स्तर पर उन्हें लगा कि वे जीतेंगे। श्री किदांबी श्रीकांत ने उन्हें बताया कि क्वार्टर फाइनल के बाद टीम का संकल्प काफी मजबूत हो गया था कि हम अंत तक खेलेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री से यह भी कहा कि टीम भावना ने मदद की और हर खिलाड़ी ने अपना 100 प्रतिशत दिया।

श्री मोदी ने कहा कि कोच भी प्रशंसा के पात्र हैं। प्रधानमंत्री ने विजयी टीम से पूछा कि उभरते एथलीटों और बैडमिंटन, टेबल टेनिस या तैराकी जैसे खेलों में भाग लेने वाले छोटे बच्चों के लिए आपका संदेश क्या होगा? श्रीकांत ने टीम की तरफ से कहा कि आज के समय में भारत में खेलों के लिए भरपूर सहयोग मिल रहा है। भारतीय खेल प्राधिकरण, सरकार, खेल संघों और एलीट लेवल पर- टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के प्रयासों के चलते खिलाड़ियों को काफी सपोर्ट मिल रहा है। अगर ऐसा चलता रहा तो हमें लगता है कि भारत में कई और चैंपियन निकलेंगे। ■

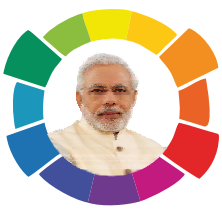

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

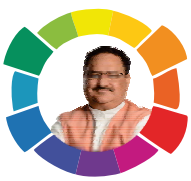

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

भरूच (गुजरात) में 'उत्कर्ष समारोह' को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में एक समूह चित्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी; साथ में— उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तर प्रदेश का मंत्रिपरिषद्

नई दिल्ली में ट्राई के रजतजयंती समारोह के अवसरपर 5जी टेस्ट बेड का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में कम्बोडिया के प्रधानमंत्री महामहिम सम्देच अक्का मोहा सेना पेदाई तेचो हुन सेन के साथ एक वर्चुअल बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

लुंबिनी (नेपाल) स्थित मायादेवी मंदिर में नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउबा के साथ दर्शन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) में महापरिनिर्वाण स्तूप में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह